दैनिक
लखनऊ से प्रकाशित एवं उ.प्र., बिहार, झारखण्ड, मध्यप्रदेश, राजस्थान, दिल्ली में प्रसारित
RNI-UPHIN/2014/58471

अमन लेखनी

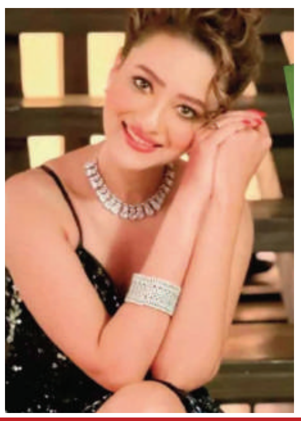

तनु वेड्स मनु..... | 15 साल लीप के ...

वर्ष : 12 | अंक : 168 | लखनऊ, 12 जून, शुक्रवार 2026 | पृष्ठ : 08 | मूल्य : 2.00 रुपए

खबर संक्षेप

पीएम मोदी से सीएम विजय ने मुलाकात की

नई दिल्ली। तमिलनाडु के सीएम सी. जोसेफ विजय ने गुरुवार को यहां पीएम नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। राज्य में विधानसभा चुनावों के बाद पिछले महीने तमिलनाडु के सीएम का पद संभालने के बाद पीएम से उनकी यह दूसरी मुलाकात है। विजय नीति आयोग की बैठक में शामिल होने के लिए राष्ट्रीय राजधानी में हैं।

500 मीटर नीचे नदी में गिरी बोलेरो, 4 की मौत

चमोली। चमोली के देवाल क्षेत्र में 8 लोगों को लेकर जा रही एक बोलेरो करीब 500 मीटर गहरी खाई में लुढ़कते हुए कैल नदी में जा गिरी। हादसे में 4 लोगों की मौत हो गई, जबकि 4 अन्य घायल हो गए। दुर्घटना देवाल-घेंस मोटर मार्ग पर कुंनार के पास हुई। ग्रामीणों, पुलिस और राहत-बचाव टीमों ने पहुंचकर रेस्क्यू अभियान शुरू किया।

केदारनाथ यात्रा पर आए दो तीर्थयात्रियों मौत

रुद्र प्रयाग। केदारनाथ यात्रा पर आए दो तीर्थयात्रियों की हार्ट अटैक से मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि मीठा पानी क्षेत्र में एक तीर्थयात्री माधव शिवराम शिंदे (66) निवासी मुंबई की तबीयत बिगड़ गई। वहीं यात्रा के लिए आई बिहार के आरा जिले के सैदपुर निवासी आरती देवी (56) एक होटल में ठहरी थीं। सुबह उनकी तबीयत ज्यादा बिगड़ी।

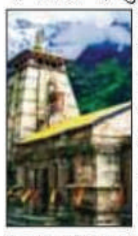

सरकारी इमारत में लगी आग, 4000 ईवीएम जले

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मंत्री कौशिक चौधरी ने बताया कि यहां एक सरकारी इमारत में लगी आग में करीब 4,000 इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) जलकर खाक हो गईं। उन्होंने बताया कि घटना के संबंध में प्राथमिकी दर्ज होने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

नीति आयोग की शासी परिषद की 11वीं बैठक की अध्यक्षता करते हुए पीएम मोदी बोले

वैश्विक अनिश्चितता के बीच भारत अपनी विकास यात्रा पर लगातार आगे बढ़ रहा है

राजकुमार सिंह चौहान ब्यूरो प्रमुख / नई दिल्ली,

पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि वैश्विक अनिश्चितता और अस्थिरता के बीच भी भारत आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प के साथ अपनी विकास यात्रा पर आगे बढ़ रहा है। मोदी ने नीति आयोग की शासी परिषद की 11वीं बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि जैसे-जैसे भारत 'विकसित भारत' के सपने को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, देश की सामूहिक जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है। पीएम ने कहा कि भारत ने विकास और निर्यात के नए अवसर पैदा करने के लिए कई देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते किए हैं। उन्होंने कहा कि ये समझौते हमारे सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) के लिए भी एक महत्वपूर्ण अवसर उपलब्ध कराते हैं। इससे वे अंतरराष्ट्रीय मानकों का पालन करके और प्रतिस्पर्धी क्षमता बढ़ाकर वैश्विक बाजारों के लिए तैयार हो सकेंगे।

> पीएम मोदी ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, मांग-आधारित कौशल विकास और रोजगार के अवसरों के माध्यम से भारत के युवाओं के लिए सही परिवेश का निर्माण करना प्राथमिकता बनी रहनी चाहिए। सशक्त युवा ही विकसित भारत की दिशा में हमारी यात्रा की प्रेरक शक्ति होंगे

एफटीए ने विकास और निर्यात के नए अवसर पैदा किए

नीति आयोग की बैठक को संबोधित करते पीएम नरेंद्र मोदी

युवा विकसित भारत की प्रेरक शक्ति

पीएम मोदी ने कहा कि भारत का जनसांख्यिकीय लाभ एक ऐतिहासिक अवसर है जिसे हम खोने का जोखिम नहीं उठा सकते। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, मांग-आधारित कौशल विकास और रोजगार के अवसरों के माध्यम से भारत के युवाओं के लिए सही परिवेश का निर्माण करना प्राथमिकता बनी रहनी चाहिए। सशक्त युवा ही विकसित भारत की दिशा में हमारी यात्रा की प्रेरक शक्ति होंगे।

राज्यों के बीच संवाद और सहयोग जरूरी

पीएम मोदी ने कहा कि राज्यों के बीच सहयोग और संवाद के माध्यम से चीजें आगे बढ़नी चाहिए। नीति आयोग सहयोग के लिए एक मंच के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है, जिससे राज्य विचारों का आदान-प्रदान कर सकें और विकसित भारत की परिकल्पना की दिशा में मिलकर काम कर सकें। पीएम ने कहा कि महिला नेतृत्व वाला विकास विकसित भारत की परिकल्पना का आधार है।

महिला सशक्तिकरण को प्राथमिकता दें राज्य

पीएम मोदी ने कहा कि कृषि और स्टार्टअप से लेकर विज्ञान और नवोन्मेष तक, नारी शक्ति सभी क्षेत्रों में योगदान दे रही है। राज्यों को महिलाओं की शिक्षा, कौशल विकास, सुरक्षा और सशक्तिकरण को प्राथमिकता देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सहकारी संघवाद की भावना से प्रेरित होकर, हम भारत की विकास यात्रा को गति देने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं। केंद्र और राज्यों के सामूहिक प्रयास विकसित भारत के हमारे साझा दृष्टिकोण को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

किसानों की जिंदगी आसान बनाने का प्रयास

पीएम मोदी ने कहा कि किसान देश की खाद्य सुरक्षा का आधार हैं और सरकार उनकी जिंदगी आसान बनाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ रही है। किसानों का कल्याण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है, इसीलिए उन्हें खेती की आधुनिक सुविधाएं देने पर लगातार जोर दिया जा रहा है। ड्रोन, मृदा स्वास्थ्य कार्ड और प्राकृतिक खाद से जुड़े अभियान किसानों को फसल की पैदावार बढ़ाने में सक्रिय रूप से मदद कर रहे हैं।

बैठक के बाद पीएम मोदी ने राज्यों से आए मुख्यमंत्रियों से चर्चा की

सुप्रीम कोर्ट को ऐतिहासिक फैसला

गृहिणियां 'राष्ट्रनिर्माता', उनकी सामाजिक-आर्थिक अहमियत

मोटर एक्सीडेंट के दावों का एक साल में करें निपटारा

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया। कोर्ट ने कहा कि सड़क हादसों में जान गंवाने वाली गृहिणियों के काम की कीमत कम से कम 30,000 रुपए महीना मानी जानी चाहिए। मुआवजे की गणना करते समय इस राशि को आधार करना चाहिए।

कोर्ट ने यह भी कहा की कि गृहिणियों को राष्ट्र निर्माता के रूप में मान्यता दी जानी चाहिए। देश भर में मोटर दुर्घटना के मामलों में मुआवजा तय करने के तरीके को बदलने वाले इस अहम फैसले में, जस्टिस संजय करोल और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की बेंच ने गृहणियों की काल्पनिक आय को कुशल मजदूरों की मजदूरी के बराबर मानने की पुरानी न्यायिक प्रथा को खारिज कर दिया।

गृहिणियां दिहाड़ी मजदूर नहीं

कोर्ट ने कहा कि घर के कामों की सामाजिक और आर्थिक अहमियत बहुत ज्यादा है। इसे केवल सामान्य मजदूरी के तराजू में नहीं तौला जा सकता। जस्टिस करोल ने फैसला सुनाते हुए कहा कि घरेलू देखभाल के नुकसान की भरपाई के लिए 30,000 रुपए का नया नियम बनाया गया है। यह राशि 'प्रणय सेठी' केस में तय किए गए अन्य लाभों के अतिरिक्त होगी। सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया कि मोटर एक्सीडेंट से जुड़े दावों का निपटारा आमतौर पर एक साल के भीतर हो जाना चाहिए। कोर्ट ने सभी हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीशों से अनुरोध किया कि वे ऐसे मामलों की निगरानी करें। उन्होंने उचित प्रशासनिक निर्देश जारी करने को कहा ताकि पीड़ितों को समय पर न्याय मिल सके।

संतान के रूप में लड़के की चाहत करना गलत

संतान के रूप में लड़के की चाहत करने संबंधी पितृसत्तात्मक सोच और बच्चे के जन्म से पहले 'चोरी छिपे' लिंग की जांच कराये जाने के चलन की निंदा करते हुए उच्चतम न्यायालय ने कहा कि जब तक मानसिकता में बदलाव नहीं आता, तब तक गर्भधारण पूर्व एवं प्रसव पूर्व निदान तकनीक (पीसीपीएनडीटी) अधिनियम का सख्ती से पालन किया जाना आवश्यक है। न्यायमूर्ति संजय करोल और न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा की पीठ ने कहा कि पितृसत्तात्मक व्यवस्था में लड़कियों के साथ होने वाले प्रणालीगत भेदभाव को समाप्त करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। उच्चतम न्यायालय ने ये टिप्पणियां एक चिकित्सक द्वारा दायर उस अपील को खारिज करते हुए कीं, जिसमें गर्भ-धारण पूर्व एवं प्रसव पूर्व निदान तकनीक (लिंग चयन निषेध) अधिनियम की धारा को चुनौती दी थी।

स्पेस रिसर्च पूजा और परोपकार की तरह

अंतरिक्ष क्षेत्र में निवेश के साथ भागीदारी बढ़ाने की भी जरूरत

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने यहां कहा कि भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र को और अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए सोच बदलने एवं निजी निवेश के साथ-साथ इसमें भागीदारी बढ़ाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि 1980 के दशक में चीन ने बिना किसी सरकारी योजना के विज्ञान और प्रौद्योगिकी में बड़े पैमाने पर निवेश किया क्योंकि उसका मानना था कि विज्ञान के लिए सिर्फ़ पैसे की जरूरत होती है, न कि बोलने या प्रेस की आजादी की।

अहमदाबाद में भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन एवं प्राधिकरण केंद्र (इन-स्पेस) के 10वें 'इंडस्ट्री कनेक्ट' को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि मानव कल्याण के लिए अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देना भी एक तरह की पूजा और परोपकार है। दोनों पक्षों (निजी और सरकारी) की मानसिकता खुलने में अधिक समय लग रहा है।

फीफा को लेकर चरम पर उत्साह

भारतीय मूल के चार खिलाड़ी ले रहे भाग

बेंगलुरु। फुटबॉल के फीफा वर्ल्ड कप को लेकर भारत सहित पूरी दुनिया में लोगों में जबरदस्त जोश और उत्साह बना हुआ है। फीफा विश्व कप 2026 की शुरुआत 12 जून से हो रही है। फीफा विश्व कप में बेशक भारतीय टीम हिस्सा नहीं ले रही है, लेकिन इस बार भारतीय मूल के चार खिलाड़ी अलग-अलग टीमों से खेलते हुए नजर आएंगे। बेंगलुरु में एक फुटबॉल प्रेमी ने अपनी दुकान को पूरी तरह से फुटबॉल और उससे जुड़ी वस्तुओं से सजा दिया है। 48 देशों और 104 मैच वाले विश्व कप के लिए फीफा ने ग्रुप चरण के मुकाबलों के लिए टिकट की शुरुआती कीमत 140 डॉलर रखी थी।

अश्विनी वैष्णव बोले एआई बड़ी क्रांति

जयपुर में एआई प्रयोगशाला स्थापित करने की घोषणा की

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को यहां मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनआईटी) में उन्नत क्वांटम कंप्यूटिंग और क्वांटम संचार प्रयोगशालाएं स्थापित किए जाने की घोषणा की। मंत्री ने कहा कि ये प्रयोगशालाएं इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की इलेक्ट्रॉनिक्स और आईसीटी अकादमिक परियोजना के तहत स्थापित की जाएंगी। संस्थान में विद्यार्थियों और शिक्षकों को

संबोधित करते हुए वैष्णव ने कहा कि वर्तमान तकनीकी क्रांति कृत्रिम मेधा (एआई) से संचालित हो रही है, जबकि अगली बड़ी तकनीकी लहर क्वांटम प्रौद्योगिकी के नेतृत्व में आएगी। आधिकारिक बयान के अनुसार, मंत्री ने कहा कि इस परियोजना के तहत होने वाला कार्य देश के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होगा।

आंध्र में 195 करोड़ रुपए का शराब परिवहन घोटाला मामला

स्टेट बेवरेजेज कॉर्पोरेशन के पूर्व एमडी डी. रेड्डी गिरफ्तार

धन शोधन मामले के तहत की कार्यवाही

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आंध्र प्रदेश में कथित 195 करोड़ रुपए के शराब परिवहन घोटाले से जुड़े धन शोधन मामले की जांच के संबंध में बृहस्पतिवार को छापेमारी के बाद 'आंध्र प्रदेश स्टेट बेवरेजेज कार्पोरेशन' के एक पूर्व अधिकारी और एक 'मुख्य आरोपी' को गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने बताया कि ईडी ने करीब पांच परिसरों पर छापेमारी की। आरोपियों ने सरकारी खजाने को 195.33 करोड़ रुपए का नुकसान पहुंचाया।

8 लाख नकद जब्त

छापेमारी के दौरान 8 लाख रुपए नकद, दो रोलेक्स घड़ियां, कुछ वाहन, 'संबंधित' दस्तावेज और डिजिटल उपकरण बरामद किए गए। हालांकि अधिकारियों ने यह स्पष्ट नहीं किया कि ये बरामदगी किसके परिसरों से की गई।

किसानों को होगा फायदा

अधिकारियों ने बताया कि इन परिसरों में युवजन श्रमिक रायथू कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) नेता एवं पूर्व नागरिक आपूर्ति मंत्री के. नागेश्वर राव और उनके बेटे के परिसर शामिल हैं। मामले में 'आंध्र प्रदेश स्टेट बेवरेजेज कार्पोरेशन' के पूर्व प्रबंध निदेशक डी. वासुदेव रेड्डी और मामले में 'मुख्य आरोपी' के. राजा शेखर रेड्डी को गिरफ्तार किया गया है।

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे की अध्यक्षता में हुई बैठक में लिया फैसला

'सीट चोरी' और नीट मामले को लेकर राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू होगा

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

कांग्रेस ने फैसला किया कि वह मध्यप्रदेश से पार्टी की राज्यसभा उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन का नामांकन रद्द किए जाने, नीट मामले और सीबीएसई की ऑनलाइन मूल्यांकन प्रणाली, महंगाई, बेरोजगारी और किसानों के मुद्दों को लेकर मोदी सरकार को घेरने के लिये जल्द ही राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू करेगी। यह अभियान इस महीने के आखिर में शुरू हो सकता है और दो-तीन महीने तक चलेगा। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य होगा कि इन विषयों पर पीएम नरेंद्र मोदी की जवाबदेही तय हो।

जनता से जुड़े मुद्दों पर पीएम मोदी की जवाबदेही तय करेंगे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे बैठक की अध्यक्षता करते हुए

कानूनी लड़ाई लड़ेंगे

बैठक के बाद वेणुगोपाल ने कहा कि राज्यसभा चुनावों में जो हुआ, वह लोकतंत्र के लिए चिंता का विषय है। इसके लिए पार्टी ने राजनैतिक और कानूनी लड़ाई लड़ने का फैसला किया है।

आम लोग संघर्ष कर रहे

उन्होंने कहा कि देश में लोकतंत्र नहीं है और आम लोग अपनी रोजी-रोटी के लिए संघर्ष कर रहे हैं। ऐसे में पार्टी पूरे भारत में एक अभियान शुरू करने जा रही है जो राज्य, जिला और ब्लॉक स्तर पर भी चलाया जाएगा।

निर्वाचन आयोग की मिलीभगत से 'सीट चोरी': राहुल

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने मध्य प्रदेश से पार्टी की उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन का नामांकन खारिज किए जाने का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि 'वोट चोरी' और 'सरकार चोरी' के बाद अब भाजपा और निर्वाचन आयोग की मिलीभगत ने 'सीट चोरी' शुरू कर दी है। उन्होंने कहा कि 'सीट चोरी' के जरिये चुनाव शुरू होने से पहले ही मुकाबला खत्म कर दिया गया है।

निवेश व रोजगार में देश का ग्रोथ इंजन बना यूपी

निवेश, उद्योग, इंफ्रास्ट्रक्चर और रोजगार के मोर्चे पर यूपी ने दर्ज की ऐतिहासिक प्रगति

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। कभी निवेशकों की प्राथमिकता सूची में पीछे रहने वाला उत्तर प्रदेश आज देश की सबसे तेजी से उभरती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो चुका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में पिछले नौ वर्षों में प्रदेश ने औद्योगिक विकास, निवेश, आधारभूत संरचना और रोजगार सृजन के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। यही वजह है कि उत्तर प्रदेश अब एक ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

प्रदेश सरकार के अनुसार वर्ष 2017 से पहले निवेश, उद्योग और रोजगार के क्षेत्र में अपेक्षित गति नहीं थी। कानून-व्यवस्था, बुनियादी ढांचे और निवेश-अनुकूल वातावरण की कमी निवेशकों की प्रमुख चिंताओं में शामिल थी। हालांकि 2017 के बाद हालात तेजी से बदले और उत्तर प्रदेश निवेशकों की पहली पसंद बनकर उभरा। पिछले नौ वर्षों में राज्य को 50 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, जिनसे लगभग 1.10 करोड़ रोजगार अवसर सृजित होने की संभावना है।

ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी (जीबीसी) के चार चरणों के माध्यम से 15 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव धरातल पर उतर चुके हैं। इन परियोजनाओं से करीब 60 लाख लोगों को रोजगार मिलने का अनुमान है। वहीं 7.5 लाख करोड़ रुपये के निवेश वाली पांचवीं ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी भी प्रस्तावित है। औद्योगिक विकास को गति देने के लिए राज्य सरकार ने ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के तहत बड़े सुधार किए हैं। 65 विभागों में 4,675 अनुपालनों को कम किया गया है, जबकि 13 राज्य अधिनियमों में लगभग 99 प्रतिशत छोटे दंडात्मक प्रावधानों को समाप्त कर व्यापारिक माहौल को और सरल बनाया गया है। इन प्रयासों के चलते उत्तर प्रदेश को प्रक्रियागत अनुपालन कम करने के मामले में देश में पहला स्थान मिला है। इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में भी उत्तर प्रदेश ने बड़ी छलांग लगाई है। वर्ष 2017 तक प्रदेश में केवल दो प्रमुख एक्सप्रेसवे थे, जबकि आज 9 एक्सप्रेसवे संचालित हैं, 3 निमार्णाधीन हैं और 10 नए एक्सप्रेसवे प्रस्तावित हैं। देश के कुल एक्सप्रेसवे नेटवर्क का लगभग 55 प्रतिशत हिस्सा अकेले उत्तर प्रदेश में विकसित हो रहा है। वहीं बुंदेलखंड औद्योगिक विकास प्राधिकरण (बीआईडीए) के माध्यम से 56,662 एकड़ क्षेत्र में नया औद्योगिक शहर विकसित किया जा रहा है।

हवाई संपर्क के क्षेत्र में भी प्रदेश ने उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है। वर्ष 2017 से पहले केवल लखनऊ और वाराणसी हवाई अड्डे पूरी तरह संचालित थे, जबकि आज प्रदेश में 17 हवाई अड्डे संचालित हैं और 7 अन्य विकसित किए जा रहे हैं। नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (जेवर) के शुरू होने के बाद उत्तर प्रदेश पांच अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों वाला देश का पहला राज्य बन जाएगा। माल परिवहन और लॉजिस्टिक्स को मजबूत बनाने के लिए पूर्वी डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर का 1,050 किलोमीटर से अधिक हिस्सा उत्तर प्रदेश से होकर गुजर रहा है।

पूर्वी और पश्चिमी फ्रेट कॉरिडोर का जंक्शन दादरी में स्थित है। इसके अलावा देश के 111 राष्ट्रीय जलमार्गों में से 11 उत्तर प्रदेश में हैं और वाराणसी में देश का पहला मल्टी-मॉडल टर्मिनल एवं फ्रेट विलेज विकसित किया जा रहा है। विदेशी निवेश, फैक्ट्रियों की संख्या और निर्यात जैसे औद्योगिक संकेतकों में भी प्रदेश ने उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है।

जून 2000 से मार्च 2017 तक उत्तर प्रदेश में केवल 3,303 करोड़ रुपये का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) आया था, जबकि अप्रैल 2017 से जून 2025 के बीच यह आंकड़ा बढ़कर 17,004 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। इसी तरह फैक्ट्रीज एक्ट के तहत पंजीकृत फैक्ट्रियों की संख्या 14,169 से बढ़कर 31,459 हो गई है। निर्यात के क्षेत्र में भी उत्तर प्रदेश ने नई ऊंचाइयां हासिल की हैं। वर्ष 2016-17 में प्रदेश का निर्यात 86 हजार करोड़ रुपये था, जो अब दो लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच चुका है। आईटी एवं आईटीईएस निर्यात 15 हजार करोड़ रुपये से बढ़कर 82 हजार करोड़ रुपये तक पहुंच गया है, जबकि इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात में सात वर्षों में 1,058 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट (ओडीओपी) योजना ने प्रदेश के पारंपरिक उत्पादों को वैश्विक पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

वहीं रक्षा औद्योगिक गलियारे के छह नोड–झांसी, चित्रकूट, लखनऊ, अलीगढ़, आगरा और कानपुर–को विकसित किया जा रहा है। इस परियोजना के तहत करीब 35 हजार करोड़ रुपये के निवेश और 55 हजार से अधिक रोजगार अवसरों की संभावना है। इसके अलावा यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक क्षेत्र में उत्तर भारत की पहली सेमीकंडक्टर यूनिट स्थापित की जा रही है।

सरकार ने वर्ष 2030 तक 5 गीगावाट और वर्ष 2047 तक 40 गीगावाट क्षमता विकसित करने का लक्ष्य तय किया है। इन सभी प्रयासों के आधार पर उत्तर प्रदेश देश की आर्थिक वृद्धि का प्रमुख केंद्र बनकर उभर रहा है और एक ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

वाराणसी में जनकल्याण योजनाओं आज शुभारंभ करेंगे मुख्यमंत्री

- **स्ट्रीट वेंडर, कल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को करेंगे स्वीकृति पत्र का वितरण**
- **13 जून को बीएचयू में 7 वें राष्ट्रीय अधिवेशन में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे**

वाराणसी। केंद्र सरकार के गौरवशाली 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर योगी सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में जनकल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यों को आमजन तक पहुंचाने के लिए विशेष कार्यक्रम का आयोजन कर रही है। इसमें हिस्सा लेने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दो दिवसीय दौरे पर 12 जून, शुक्रवार की शाम वाराणसी पहुंच रहे है।

वर्ष 2014 में केंद्र में प्रधानमंत्री मोदी और 2017 में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बागडोर संभालने के बाद प्रदेश में विकास की गति काफी तेज हो गई। जनहित से जुड़ी विकास परियोजनाएं और लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव करने वाली योजनाओं ने लाभार्थियों के जीवन को नई दिशा दी है। शुक्रवार शाम को गिरिजा देवी सांस्कृतिक संकुल, चौकाघाट में विभिन्न विभागों द्वारा प्रदर्शनी एवं शिविर का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र / प्रमाण पत्र वितरित करेंगे। उनके काल भैरव मंदिर एवं श्री काशी विश्वनाथ धाम में दर्शन-पूजन करने की भी आशा है। शनिवार को मुख्यमंत्री काशी हिंदू विश्वविद्यालय में आयोजित विज्ञान भारती के 7 वें राष्ट्रीय अधिवेशन में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वैदिक विज्ञान केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस दो दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन में भारत तथा विदेश से लगभग 1200 प्रतिनिधि शामिल हो रहे हैं। विज्ञान भारती के सदस्य, वैज्ञानिक, शोधकर्ता, शिक्षाविद, नीति-निमार्ता, उद्योग जगत के प्रतिनिधि एवं विभिन्न विषयों के विशेषज्ञ सहभागिता करेंगे। गिरिजा देवी सांस्कृतिक संकुल में सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने के लिए विभिन्न विभागों के स्टॉल लगाए जा रहे हैं। जिनमें मुख्य रूप से कृषि, उद्यान, पर्यटन, महिला एवं बाल विकास, समाज कल्याण, पिछड़ा वर्ग कल्याण, दिव्यांगजन सशक्तीकरण, श्रम, हथकरघा, मत्स्य, पशुपालन एवं डेयरी, पंचायती राज, मुख्यमंत्री आवास योजना, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, कौशल विकास मिशन, सेवायोजन तथा नेडा सहित कई विभागों के स्टॉल हैं। इसके अलावा ह्यएक जनपद एक व्यंजनह्व के अंतर्गत बनारस की प्रसिद्ध लस्सी, तिरंगा बर्फी, लौंगलता और पान को प्रदर्शित किया जाएगा। वहीं ह्यएक जिला एक उत्पाद योजना के तहत लकड़ी के खिलौने और गुलाबी मीनाकारी के उत्पाद भी यहां होंगे। कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग की ओर से महिलाओं के स्वास्थ्य संरक्षण को ध्यान में रखते हुए ब्रेस्ट कैंसर स्क्रीनिंग हेतु विशेष टीम मौजूद रहेगी, दिव्यांग चिकित्सा बोर्ड के अंतर्गत अस्थि रोग, शल्य चिकित्सा एवं ईएनटी विशेषज्ञ चिकित्सक सेवाएं उपलब्ध रहेंगी। वहीं नेत्र परीक्षण एवं परामर्श के लिए विशेषज्ञ नेत्र रोग चिकित्सकों की टीम तैनात रहेगी। इसके अलावा आपातकालीन चिकित्सा सहायता हेतु एम्बुलेंस की भी व्यवस्था की गई है। आयुष्मान भारत योजना से संबंधित जानकारी एवं पात्र लाभार्थियों के लिए सहायता उपलब्ध कराने हेतु आयुष्मान मित्रों, सामान्य चिकित्सा एवं गैरसंचारी रोग (एनसीडी) की स्क्रीनिंग के लिए चिकित्सकों एवं फार्मासिस्ट की टीम भी मौजूद रहेगी है।

80 वर्षीय वृद्धा से 3 लाख वसूलने वाले निजी अस्पताल की होगी जांच

- **सीएम के अपर मुख्य सचिव ने दिये डीएम को जांच के दिये आदेश**
- **आरोप है कि इलाज के बाद हालत और बिगड़ी**

लखनऊ। मुख्यमंत्री कार्यालय ने इंदिरा नगर, लखनऊ स्थित इम्पीरिया न्यूरो साइंसेज एंड मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल पर लगे गंभीर आरोपों का संज्ञान लेते हुए जांच के आदेश दिए हैं। अपर मुख्य सचिव, मुख्यमंत्री संजय प्रसाद ने प्रार्थी की शिकायत को जिलाधिकारी को भेजकर परीक्षणोपरान्त नियमानुसार कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं।

सीतापुर जिले की सिधौली तहसील के ग्राम बाड़ी निवासी 100% दिव्यांग शाबान अली ने मुख्यमंत्री को प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया है कि उनकी 80 वर्षीय माता बीबी आमना को उक्त अस्पताल में 30 मई से 10 जून तक 11 दिन भर्ती रखा गया। इस दौरान अस्पताल प्रबंधन द्वारा तीन लाख रुपये से अधिक की वसूली नगद व ऑनलाइन माध्यम से की गई।

शिकायतकर्ता शाबान अली का आरोप है कि इतनी बड़ी धनराशि लेने के बावजूद उनकी माता की हालत में कोई सुधार नहीं हुआ, बल्कि हालत और बिगड़ गई। मजबूरन उन्हें 10 जून को डिस्चार्ज कराना पड़ा। प्रार्थना पत्र में फर्जी बिल बनाने, अनावश्यक जांच कराने, अस्पताल मालिक डा. खुर्शीद आलम व पार्टनर फरहान द्वारा दुर्व्यवहार करने तथा अस्पताल में पार्किंग व्यवस्था न होने जैसे गंभीर आरोप लगाए गए हैं।

10 जून को दिए गए प्रार्थना पत्र पर त्वरित कार्रवाई करते हुए अपर मुख्य सचिव, मुख्यमंत्री संजय प्रसाद ने गुरुवार को ही प्रकरण को जांच के लिए जिलाधिकारी को अग्रसारित कर दिया है। पत्र पर स्पष्ट रूप से अंकित है कि कृपया परीक्षणोपरान्त नियमानुसार कार्यवाही किये जाने की अपेक्षा की गयी है। 100% दिव्यांग शाबान अली ने मांग की है कि मामले की उच्चस्तरीय जांच कराकर दोषी अस्पताल का लाइसेंस निरस्त किया जाए, एफआईआर दर्ज की जाए तथा वसूली गई अतिरिक्त राशि मय ब्याज के वापस दिलाई जाए। उन्होंने यह भी आशंका जताई है कि शिकायत के बाद उन्हें धमकी मिल सकती है, इसलिए सुरक्षा की मांग की है। इस संबंध में इम्पीरिया हॉस्पिटल प्रबंधन से संपर्क का प्रयास किया गया, लेकिन खबर लिखे जाने तक उनका आधिकारिक बयान प्राप्त नहीं हो सका है।

50 करोड़ की स्कॉलरशिप से मेधाओं को मिल रही नयी उड़ान

सीयू स्कॉलर समिट-2026 का समापन, 1500 मेधावी छात्रों का हुआ सम्मान

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव/लखनऊ। शिक्षा, नवाचार और प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी उत्तर प्रदेश में आयोजित दो दिवसीय सीयू स्कॉलर समिट-2026 का गुरुवार को भव्य समापन हुआ। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड सहित विभिन्न राज्यों से आए 1500 से अधिक मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया।

उन्नाव स्थित परिसर में आयोजित इस समारोह के मुख्य अतिथि प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय रहे। उनके साथ राज्यसभा सांसद एवं चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी के चांसलर सतनाम सिंह संधू, कुलपति प्रो. (डॉ.) विनीत कुमार नायर, प्रो वाइस चांसलर प्रो. डॉ. टी.पी. सिंह समेत विश्वविद्यालय के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश शिक्षा और नवाचार के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छू रहा है। चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी जैसे विश्वस्तरीय संस्थानों की उपस्थिति प्रदेश को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिला रही है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप प्रदेश सरकार शिक्षा को तकनीक, रोजगार और संस्कारों से जोड़ने के लिए लगातार कार्य कर रही है।

मंत्री ने विद्यार्थियों की ओर से प्रदर्शित नवाचारों की सराहना करते हुए कहा कि यहां प्रस्तुत शोध मॉडल और तकनीकी परियोजनाएं इस बात का प्रमाण हैं कि भारत का युवा केवल ज्ञान अर्जित नहीं कर रहा, बल्कि भविष्य की चुनौतियों के समाधान भी तैयार कर रहा है। फुटप्रिंट्स से बिजली उत्पादन जैसी अभिनव अवधारणाएं विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। विश्वविद्यालय द्वारा शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए आयोजित चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी कॉमन एंट्रेंस टेस्ट के माध्यम से 50 करोड़ रुपये तक की स्कॉलरशिप देने की घोषणा की गई है। परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को 100 प्रतिशत तक छात्रवृत्ति प्रदान की जा रही है। इन्हीं प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को सम्मानित करने के लिए आयोजित सीयू स्कॉलर समिट में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य आर्थिक बाधाओं को दूर कर प्रतिभाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना है।

पानी भरने गई युवती पर हमला, बचाने पहुंचे परिजनों को भी पीटा

रास्ते के विवाद में दो पक्ष भिड़े, महिलाओं समेत कई घायल; ट्रामा सेंटर में भर्ती

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। पीजीआई थाना क्षेत्र के हैवतमऊ मवैया में रास्ते को लेकर चल रहा विवाद बुधवार सुबह हिंसक संघर्ष में बदल गया। आरोप है कि पानी भरने गई एक युवती के साथ मारपीट की गई। उसे बचाने पहुंचे परिजनों पर भी लोहे की रॉड और धारदार हथियारों से हमला कर दिया गया। घटना में महिलाओं समेत कई लोग घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया है। पीड़िता रितिका रावत की ओर से पुलिस को दी गई तहरीर के अनुसार, उनकी माता की जमीन में रास्ता निकालने को लेकर पिछले चार दिनों से पड़ोसियों के साथ विवाद चल रहा था। इस संबंध में पहले भी थाना पीजीआई में शिकायत की गई थी। तहरीर में कहा गया है कि बुधवार सुबह करीब छह बजे उनकी बहन शालिनी रावत घर के सामने बनी सहकारी पानी की टंकी पर पानी भरने गई थीं। इसी दौरान विपक्षी पक्ष के लोगों ने उन्हें घेर लिया और मारपीट शुरू कर दी। आरोप है कि मारपीट के दौरान शालिनी के कपड़े भी फाड़ दिए गए। चीख-पुकार सुनकर जब परिवार के अन्य सदस्य मौके पर पहुंचे तो उन पर भी हमला कर दिया गया। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि हमलावर पहले से घात लगाए बैठे थे और एक राय होकर लाठी-डंडों, लोहे की रॉड व धारदार हथियारों से हमला कर दिया। हमले में कई लोगों को गंभीर चोटें आई हैं। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को ट्रामा सेंटर पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। पीड़ित परिवार ने आरोप लगाया है कि विपक्षी पक्ष के कुछ लोगों के खिलाफ पहले से भी कई मुकदमे दर्ज हैं और घटना के बाद भी वे खुलेआम घूम रहे हैं।

पीड़ितों ने पुलिस से आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और परिवार की सुरक्षा की मांग की है। वहीं, पीजीआई पुलिस का कहना है कि तहरीर के आधार पर मामले की जांच की जा रही है। जांच के बाद आवश्यक विधिक कार्रवाई की जाएगी।

विकास के दावों के बीच 400 मीटर सड़क का अधूरा सपना

75 वर्षों बाद भी 400 मीटर सड़क का इंतजार: वन विभाग की अनुमति में फंसा विकास हजारों ग्रामीणों का जीवन प्रभावित

अमन लेखनी समाचार

मोहनलालगंज। देश आजादी के अमृतकाल में प्रवेश कर चुका और ग्रामीण क्षेत्रों को आधुनिक सड़क नेटवर्क से जोड़ने के लिए केंद्र एवं प्रदेश सरकारें करोड़ों रुपये खर्च कर रही इसके बावजूद मोहनलालगंज तहसील क्षेत्र के कुबहरा और कमालपुर विचलिका गांवों के बीच स्थित मात्र 400 मीटर लंबा मार्ग आज भी पक्की सड़क का इंतजार कर रहा वन विभाग की अनुमति न मिलने के कारण वर्षों से लंबित यह सड़क परियोजना अब हजारों ग्रामीणों के लिए गंभीर समस्या का कारण बन चुकी लोगों के अनुसार यह मार्ग कई गांवों के लिए आवागमन का प्रमुख संपर्क मार्ग है लेकिन सड़क के अभाव में यहां रोजाना लोगों को जान जोखिम में डालकर सफर करना पड़ता मार्ग पर बड़े-बड़े गड्ढे, उबड़-खाबड़ सतह और दोनों ओर बने गहरे नाले दुर्घटनाओं की आशंका को लगातार बढ़ा रहे बरसात के मौसम में यह रास्ता कीचड़ और जलभराव से भर जाता जबकि गर्मियों में धूल के गुबार से राहगीरों का चलना मुश्किल हो जाता ग्रामीणों का कहना कि कई वर्षों से सड़क निर्माण की मांग की जा रही लेकिन वन भूमि से जुड़े तकनीकी कारणों और अनुमति प्रक्रिया में देरी के चलते समस्या का समाधान नहीं हो सका ग्रामीणों की माने तो आए दिन दोपहिया वाहन चालक फिसलकर चोटिल होते जबकि कई बार चारपहिया वाहन भी नालों में पलट चुके ऐसे मामलों में वाहनों को निकालने के लिए जेसीबी मशीनों का सहारा लेना पड़ता।

शिक्षा स्वास्थ्य और कृषि कार्य हो रहे प्रभावित

सड़क न होने का सबसे अधिक असर स्कूली बच्चों मरीजों किसानों और दैनिक यात्रियों पर पड़ रहा ग्रामीणों के मुताबिक इस छोटे से मार्ग के खराब होने के कारण लोगों को अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए 15 से 20 किलोमीटर अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ती इससे समय और धन दोनों की बबार्दी होती आपातकालीन परिस्थितियों में मरीजों को अस्पताल पहुंचाने में होने वाली देरी कई बार गंभीर स्थिति उत्पन्न कर देती वही किसानों का कहना कि खेतों से उपज मंडियों तक पहुंचाने में भी उन्हें अतिरिक्त खर्च उठाना पड़ता सड़क निर्माण न होने से क्षेत्र के आर्थिक और सामाजिक विकास पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा।

सांसद की पहल के बावजूद नहीं शुरू हुआ निर्माण कार्य

ग्रामीणों ने बताया कि करीब एक वर्ष पूर्व क्षेत्रीय सांसद आर.के. चौधरी ने इस समस्या को लेकर शासन स्तर पर लिखित शिकायत दर्ज कराई थी उस दौरान विभिन्न समाचार पत्रों में सड़क निर्माण को स्वीकृति मिलने और जल्द कार्य शुरू होने की खबरें भी प्रकाशित हुई थीं हालांकि एक वर्ष बीत जाने के बाद भी निर्माण कार्य शुरू नहीं हो सका ग्रामीणों का आरोप कि मुख्यमंत्री संबंधित मंत्री जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों को कई बार ज्ञापन सौंपे जा चुके लेकिन समस्या आज भी जस की तस बनी हुई लोगों का कहना कि यदि मात्र 400 मीटर सड़क निर्माण का कार्य वर्षों तक लंबित रहता तो ग्रामीण विकास के दावों पर स्वाभाविक रूप से सवाल खड़े होते.

ग्रामीणों ने की त्वरित हस्तक्षेप की मांग

क्षेत्रवासियों ने वन विभाग लोक निर्माण विभाग और जिला प्रशासन से मांग की है कि आपसी समन्वय स्थापित कर सड़क निर्माण की सभी औपचारिकताएं शीघ्र पूरी की जाएं। उनका कहना है कि यह केवल सड़क निर्माण का मुद्दा नहीं बल्कि हजारों लोगों की सुरक्षा शिक्षा स्वास्थ्य और जीवन की बुनियादी जरूरतों से जुड़ा मामला ग्रामीणों को उम्मीद है कि संबंधित विभाग जल्द सकारात्मक पहल कर दशकों पुरानी इस समस्या का स्थायी समाधान करेंगे।

भीषण गर्मी में मतदाता पुनरीक्षण में जुटे राजेश मिश्रा

अमन लेखनी समाचार

मोहनलालगंज। भीषण गर्मी और लू के बीच भी भौदरी क्षेत्र में तैनात राजेश मिश्रा मतदाता सूची विशेष पुनरीक्षण अभियान को सफल बनाने के लिए पूरी निष्ठा के साथ कार्य कर रहे भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार चल रहे अभियान के तहत वे प्रतिदिन गांव-गांव जाकर मतदाताओं का सत्यापन, नए मतदाताओं का पंजीकरण तथा सूची में त्रुटियों के सुधार का कार्य कर रहे करीब 45 डिग्री तापमान और झुलसाने वाली धूप के बावजूद राजेश मिश्रा घर-घर पहुंचकर लोगों को मतदाता सूची से जुड़ी जानकारी दे रहे साथ ही युवाओं महिलाओं और बुजुर्गों को मतदान के महत्व के प्रति जागरूक भी कर रहे ग्रामीणों के अनुसार उनका व्यवहार बेहद विनम्र और सहयोगपूर्ण जिससे लोगों को अपनी समस्याओं के समाधान में आसानी होती। स्थानीय लोगों का कहना कि जब दोपहर में अधिकांश लोग घरों से बाहर निकलने से बचते हैं, तब भी राजेश मिश्रा क्षेत्र में सक्रिय रहते हैं। उनकी मेहनत लगन और कर्तव्यनिष्ठा लोगों के बीच चर्चा का विषय बनी हुई। ग्रामीणों ने उनके कार्य की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कर्मठ कर्मचारी लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते। मतदाता सूची को अधिक शुद्ध, सटीक और पारदर्शी बनाने के लिए राजेश मिश्रा का यह समर्पित प्रयास अन्य कर्मचारियों के लिए भी प्रेरणास्त्रोत बना हुआ।

अज्ञात वाहन की टक्कर से कार चालक की मौत

अमन लेखनी समाचार

मोहनलालगंज , मोहनलालगंज क्षेत्र में रायबरेली रोड स्थित फुलवरिया मोड़ के पास हुए सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल कार चालक की इलाज के दौरान मौत हो गई घटना के बाद परिजनों में शोक की लहर दौड़ गई हरदोई जनपद के रेलवेगंज निवासी आशुतोष मिश्रा पुत्र प्रदीप कुमार मिश्रा अपनी कार से रायबरेली की ओर से लखनऊ आ रहे थे गुरुवार सुबह फुलवरिया मोड़ के पास उनकी कार की टक्कर एक अज्ञात वाहन से हो गई टक्कर इतनी तेज थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची एंबुलेंस से घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोहनलालगंज ले जाया गया जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत नाजुक होने पर उसे पीजीआई ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया गया ट्रॉमा सेंटर में उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस दुर्घटना में शामिल अज्ञात वाहन की तलाश में जुटी हुई इंस्पेक्टर बृजेश त्रिपाठी ने बताया कि फुलवरिया मोड़ के पास अज्ञात वाहन की टक्कर से कार चालक गंभीर रूप से घायल हुआ था जिसकी उपचार के दौरान मृत्यु हो गई आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालकर वाहन की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा तहरीर मिलने पर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जाएगी।

दस लाख की रंगदारी मांगने और धमकी देने का आरोप, पुलिस से लगाई गुहार

अमन लेखनी समाचार

निगोहां। निगोहां थाना क्षेत्र के शेरपुर लवल गांव निवासी एक बुजुर्ग ने पुत्रवधू के भाई पर दस लाख रुपये की रंगदारी मांगने अभद्रता करने और परिवार समेत जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की पीड़ित वीरेंद्र कुमार मिश्रा ने बताया कि उनके पुत्र और पुत्रवधू के बीच वैवाहिक विवाद से संबंधित कई मामले न्यायालय में विचाराधीन हैं आरोप है कि मुकदमों में समझौता कराने और उन्हें वापस लेने के लिए पुत्रवधू के परिजन लगातार दबाव बना रहे तहरीर के अनुसार गुरुवार सुबह दवा लेने जाते समय रास्ते में पुत्रवधू का भाई अनुराग बाजपेई मिला जिसने कथित रूप से उन्हें रोककर दस लाख रुपये देने की मांग की विरोध करने पर गाली-गलौ2ज करते हुए पूरे परिवार को गंभीर परिणाम भुगतने और जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित ने यह भी आरोप लगाया कि इससे पहले उनके पुत्र योगेश मिश्रा को भी सुदौली मोड़ पर रोककर धमकाया गया था तथा विवाद समाप्त कराने के नाम पर रुपये की मांग की गई थी। घटना से भयभीत बुजुर्ग ने पुलिस से परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने और आरोपित के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कड़ी कार्रवाई किए जाने की मांग की वहीं निगोहां पुलिस का कहना है कि तहरीर प्राप्त हो गई और मामले की जांच की जा रही जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

संक्षेप

पेड़ काट रहे मजदूर पर गिरा पेड़ हुआ घायल

उन्नाव मांखी थाना क्षेत्र में गुरुवार की दोपहर यूकेलिप्टस पेड़ की कटाई कर रहा श्रमिक पेड गिरने से चपेट में आकर गभींर रुप से घायल हो गया जिसे इलाज के लिए मियागंज अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां डाक्टर ने उसकी हालत नाजुक होने पर जिला अस्पताल रेफर कर दिया। आसीवन थाना क्षेत्र के अहमद पुर गांव निवासी मुन्नी लाल 45 मजदूरी करता है गुरुवार को वह अन्य मजदूर साथियों के साथ माखी थाना क्षेत्र के मेहरबान खेड़ा गांव स्थित यूकेलिप्टस पेडों की कटाई करने के लिए मजदूरी पर गया था पेड आधे से ज्यादा कट गया था जिसके बाद पेड गिर गया जिसकी चपेट में आने से गभीर रूप से घायल हो गया सूचना पर पहुंची एम्बुलेंस से उसे मियागंज अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां से उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

अनियंत्रित लोडर पलटा युवक नीचे दबने से मौत

उन्नाव माखी थाना क्षेत्र में बुधवार सुबह एक सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई। भदनी मोड़ के पास सड़क किनारे खड़े युवक पर अचानक एक लोडर वाहन पलट गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत युवक को वाहन के नीचे से निकाला, लेकिन तब तक उसकी मृत्यु हो चुकी थी। सूचना मिलने पर माखी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में ले लिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। बुधवार को पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे परिजनों ने मृतक की पहचान 28 वर्षीय महेश पुत्र शिव बालक के रूप में की, जो दीपागढ़ी थाना माखी का निवासी था। परिजनों के अनुसार, महेश खेती-किसानी का काम करते थे और अपने तीन भाइयों में से एक थे।युवक की आकस्मिक मृत्यु से परिवार में गहरा दुख है। गांव में भी इस घटना के बाद शोक का माहौल है। पुलिस इस मामले की आगे की जांच कर रही है

शादी समारोह में शामिल होने आए युवक के साथ की मारपीट दर्ज हुआ मुकदमा

हसनगंज उन्नाव लखनऊ के थाना मोहनलालगंज के कल्ली पुरा निवासी रिजवान पुत्र दीनअली ने कोतवाली में प्रार्थना पत्र देकर बताया कि 4 जून को मोहान के मोहल्ला आजादनगर शादी समारोह में शामिल होने आए थे।तभी विदाई के दौरान एक लोडर ने उनकी कार में टक्कर मार दी।जिसका विरोध करने पर राज, बरकत हाशिम, राशिद, साजिद, असलम , जिशान इस्लाम समेत 15 से 20 अज्ञात लोग मौके पर पहुंच गए और गाली-गलौज मारपीट करते हुए जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गए।पीड़ित ने जांच कर कार्यवाही की मांग की।पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर कार्यवाही की।प्रभारी निरीक्षक शरद कुमार ने बताया कि तहरीर के आधार पर 8 नामजद व 20 अज्ञात पर रिपोर्ट दर्ज की गई है। जांच की जा रही है।

संत कि हत्या को लेकर विश्व हिंदू परिषद ने उच्चस्तरीय जांच कि मांग

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ उन्नाव संत मिलनदास की हत्या के मामले में विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। गुरुवार को विहिप ने जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को संबोधित एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की भी मांग की गई। विहिप ने घटना को गंभीर बताते हुए कहा कि इससे हिंदू समाज में भय और रोष का माहौल है। ज्ञापन में बताया गया कि 9 जून को बांगरमऊ क्षेत्र में संत मिलनदास की दिनदहाड़े चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई थी। संगठन का आरोप है कि इस घटना के पीछे एक बड़े गिरोह की संलिप्तता हो सकती है, जिसकी निष्पक्ष और उच्चस्तरीय जांच आवश्यक है। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि साल 2023 में भी संत मिलनदास पर हमला हुआ था, लेकिन उस समय प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से अपराधियों का मनोबल बढ़ा।एक संत प्रतिनिधि ने कहा कि बांगरमऊ क्षेत्र में पिछले कई सालों से अपराध की घटनाएं बढ़ी हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि मंदिरों और संतों से जुड़े मामलों में पहले भी कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं। उनके अनुसार, यदि पूर्व की घटनाओं में समय रहते सख्त कार्रवाई की गई होती तो वर्तमान घटना को रोका जा सकता था। प्रतिनिधि ने दावा किया कि संत मिलनदास धार्मिक गतिविधियों, भजन-कीर्तन और सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन करते थे, जिसके कारण उन्हें कथित तौर पर पहले भी धमकियां मिली थीं। उन्होंने कहा कि पूरे प्रकरण की गहन जांच कर वास्तविक साजिशकताओं तक पहुंचना आवश्यक है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। विश्व हिंदू परिषद ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि मामले की उच्चस्तरीय जांच कराई जाए और दोषियों के खिलाफ शीघ्र एवं कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। संगठन ने कहा कि संत की हत्या जैसी घटना अत्यंत गंभीर है और इसे लेकर समाज में व्यापक आक्रोश है।बातचीत में संगठन के पदाधिकारियों ने यह भी कहा कि यदि समयबद्ध और प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई तो विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संगठन आंदोलन की रणनीति पर विचार कर सकते हैं। हालांकि, उन्होंने प्रशासन पर भरोसा जताते हुए कहा कि फिलहाल वे जांच पूरी होने और दोषियों पर कार्रवाई का इंतजार कर रहे हैं। डीएम घनश्याम मीना को ज्ञापन सौंपने के बाद प्रतिनिधिमंडल को प्रशासन की ओर से आश्वासन दिया गया कि मामले की जांच निष्पक्ष रूप से कराई जाएगी। प्रतिनिधियों के अनुसार प्रशासन ने कहा है कि जांच में जो भी व्यक्ति दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ कानून के अनुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

सुपर हाउस ग्रुप के मैनेजर का पेड़ से लटकता मिला शव

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव सुपर हाउस ग्रुप (लेदर प्रोडक्ट कंपनी) के मैनेजर का शव पेड़ से लटका हुआ मिला। वे बुधवार दोपहर किसी से मिलने जाने की बात कहकर घर से निकले थे।देर रात तक नहीं लौटे। सुबह खेत के लिए निकले लोगों ने उनका शव पेड़ से गमछे के फंदे के सहारे लटकता देखा। इसी पेड़ के ठीक नीचे मैनेजर की बाइक भी बरामद हुई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को नीचे उतरवाया और पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। पुलिस ने सुसाइड की आशंका जताते हुए मामले की जांच शुरू की है, हालांकि परिजनों ने अब तक कोई तहरीर नहीं दी है।मृतक मूलरूप से सीतापुर जिले का रहने वाला था। मामला जिला मुख्यालय से 15 किलोमीटर दूर सदर कोतवाली क्षेत्र का है।मूलरूप से सीतापुर के इमलिया गांव के निवासी योगेंद्र सिंह (40) पुत्र कृष्णपाल सिंह उन्नाव में पिछले कई सालों से सुपरहाउस लेदर प्रोडक्ट्स फैक्ट्री में कास्ट मैनेजर के पद पर कार्यरत थे। यहीं पीडी नगर स्थित सेक्टर-सी एलआईजी कॉलोनी में पत्नी और बेटे के साथ रह रहे थे। पड़ोसियों ने बताया-बुधवार दोपहर करीब 2 बजे किसी से मिलने जाने की बात कहकर योगेंद्र अपने घर से बाइक लेकर निकले थे। पर देर रात तक नहीं पहुंचे। परिजनों ने काफी खोजबीन की, पर कुछ पता नहीं चला। गुरुवार सुबह करीब 6:30 बजे घर से करीब 5 किलोमीटर दूर सदर कोतवाली क्षेत्र के बेनीगंज नहर पटरी के पार राजू सिंह के खेत के किनारे स्थित एक शीशम के पेड़ से योगेंद्र का शव गमछे के फंदे से लटकता मिला। पेड़ के नीचे उनकी बाइक भी खड़ी मिली। सूचना मिलने पर थाना प्रभारी चंद्रकांत मिश्रा पुलिस फोर्स लेकर मौके पर पहुंचे। शव को पेड़ से नीचे उतरवाकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया। फॉरेंसिक टीम को भी बुलाया गया। पुलिस ने आसपास के ग्रामीणों से पूछताछ की पर कोई जानकारी नहीं मिल सकीपुलिस ने घटना की जानकारी योगेंद्र के परिजनों को दी। मौके पर उनकी पत्नी और बेटा पहुंचा। शव देखकर दोनों फूट-फूटकर रोने लगे। हालांकि पुलिस का कहना है अब तक परिजनों की ओर से कोई तहरीर नहीं दी गई है।थाना प्रभारी चंद्रकांत (सीके) मिश्रा ने बताया- एक व्यक्ति का शव पेड़ से लटका मिला है। प्रथम दृष्टया मामला फांसी लगाकर आत्महत्या करने का लग रहा है। हालांकि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही वास्तविक कारणों का पता लग सकेगा। मामले की जांच की जा रही है। युवक के मोबाइल फोन का सीडीआर निकाला जा रहा है।

सड़क हादसे में घायल आशा बहु की इलाज के दौरान मौत

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव अजगैन कोतवाली क्षेत्र में हुए एक सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल आशा बहू की इलाज के दौरान लखनऊ में मौत हो गई। परिजनों ने बुधवार को पुलिस को सूचना दिए बिना ही शव का अंतिम संस्कार कर दिया। जानकारी के अनुसार अजगैन कोतवाली क्षेत्र के गुरुसहायखेड़ा गांव निवासी 55 वर्षीय प्रेमकुमारी पत्नी कालीशंकर स्वास्थ्य विभाग में आशा कार्यकर्ता के रूप में कार्यरत थीं। परिजनों ने बताया कि मंगलवार सुबह वह अपने बेटे दीपक के साथ बाइक से असोहा थाना क्षेत्र स्थित एक मंदिर जा रही थीं। इसी दौरान पीछे से आए एक अज्ञात डाला वाहन ने बाइक में टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गईं।घटना के बाद परिजन उन्हें उपचार के लिए पहले स्थानीय अस्पताल ले गए, जहां से हालत गंभीर होने पर लखनऊ रेफर कर दिया गया। बताया गया कि इसके बाद उन्हें केजीएमयू के ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया, लेकिन वहां भी समुचित उपचार नहीं मिल सका। देर शाम निजी अस्पताल ले जाते समय उनकी मौत हो गई।बुधवार को परिजनों ने बिना पुलिस को सूचना दिए शव का अंतिम संस्कार कर दिया। मृतका की बेटी स्वाती ने बताया कि हादसे के बाद परिवार ने इलाज के लिए हर संभव प्रयास किया, लेकिन उनकी जान नहीं बच सकी। मृतका अपने पीछे बेटों बबलू और दीपक सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ गई हैं। इस संबंध में अजगैन कोतवाल सुरेश सिंह ने बताया कि उन्हें हादसे अथवा महिला की मौत की कोई सूचना प्राप्त नहीं हुई है। यदि तहरीर मिलती है तो मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

तेज रफ्तार डंपर ने ई रिक्शा में मारी टक्कर युवक की मौत

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र में गुरुवार सुबह एक सड़क हादसे में ई-रिक्शा सवार युवक की मौत हो गई। एक तेज रफ्तार डंपर ने युवक को रौंद दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।यह हादसा गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के पिण्डोखा गांव के पास देवारा शंकरपुर मार्ग पर हुआ। राख लादकर जा रहा एक डंपर तेज गति से सड़क पर दौड़ रहा था, तभी उसकी चपेट में ई-रिक्शा सवार युवक आ गया। टक्कर इतनी भीषण थी कि युवक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।मृतक की पहचान देवारा कला गांव निवासी 20 वर्षीय आकाश पुत्र स्वर्गीय पुषु के रूप में हुई है। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय ग्रामीण और राहगीर घटनास्थल पर एकत्र हो गए और पुलिस को सूचित किया। गंगाघाट कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, डंपर काफी तेज रफ्तार में था।हादसे के बाद चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया, लेकिन ग्रामीणों ने उसे पकड़ लिया और वाहन को भी रोक लिया। पुलिस इस संबंध में जानकारी जुटा रही है। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है और वाहन की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं।युवक की मौत की खबर मिलते ही परिजन घटनास्थल पर पहुंच गए। ग्रामीणों ने क्षेत्र में तेज रफ्तार से दौड़ने वाले भारी वाहनों पर अंकुश लगाने की मांग की है। उनका कहना है कि मिट्टी और निर्माण सामग्री ढोने वाले डंपर अक्सर निर्धारित गति सीमा का पालन नहीं करते, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। गंगाघाट कोतवाली प्रभारी अजय सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है तथा तहरीर मिलने पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

फांसी के फंदे पर लटकता मिला युवक का शव

अमन लेखनी समाचार

सफीपुर उन्नाव कोतवाली क्षेत्र के मुरादपुर गांव में गुरुवार सुबह एक युवक का शव घर के अंदर फंदे से लटकता मिलने से हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने मौके से साक्ष्य एकत्र कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रारंभिक जांच में मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है।कोतवाली के मुरादपुर गांव निवासी संजय (36) पुत्र सोहन तीन भाइयों में सबसे छोटा था। वह पत्नी शिवकांती और तीन बच्चों के साथ अलग रहकर खेती-किसानी करता था।ग्रामीणों के अनुसार संजय शराब पीने का आदी था। करीब एक सप्ताह पहले बकरा बिक्री के पैसों को शराब में खर्च करने को लेकर पति-पत्नी के बीच विवाद हुआ था। इसके बाद नाराज पत्नी तीनों बच्चों को लेकर मायके चली गई थी। बताया जाता है कि पत्नी ने शराब छोड़ने की शर्त पर ही वापस आने की बात कही थी।ग्रामीणों ने बताया कि पत्नी के मायके जाने के बाद संजय और अधिक शराब पीने लगा था।बुधवार शाम को भी उसे नशे की हालत में घर जाते देखा गया था। गुरुवार सुबह काफी देर तक घर से कोई हलचल न होने पर पड़ोसियों को संदेह हुआ। जब उन्होंने घर के अंदर जाकर देखा तो संजय का शव आंगन में धन्नी के सहारे फंदे से लटका मिला। घटना की जानकारी मिलते ही गांव में सनसनी फैल गई और मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई।सूचना मिलने पर पत्नी शिवकांती अपने बच्चों मानसी, रानू और शानू के साथ मौके पर पहुंची। पिता का शव देखकर बच्चे बिलख पड़े।कोतवाली प्रभारी संदीप मिश्रा ने बताया कि मामले में किसी भी पक्ष की ओर से कोई आरोप नहीं लगाया गया है। फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल की जांच की है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

आनंद घाट पर मॉकड्रिल का किया गया आयोजन

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव आगामी मानसून और संभावित बाढ़ आपदाओं से निपटने की तैयारियों का आकलन करने के लिए गुरुवार को गंगा तट स्थित आनंद घाट पर एक व्यापक मॉकड्रिल का आयोजन किया गया। अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) सुशील कुमार गोंड के नेतृत्व में हुए इस अभ्यास में विभिन्न विभागों ने त्वरित राहत एवं बचाव कार्यों का प्रदर्शन किया। मॉकड्रिल के दौरान बाढ़ और नदी के जलस्तर में अचानक वृद्धि की काल्पनिक स्थिति बनाई गई। प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के लिए एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और पीएसी बाढ़ दल की टीमों ने मोटरबोट तथा अन्य उपकरणों का उपयोग कर बचाव अभियान चलाया। इसमें बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों से लोगों को निकालकर सुरक्षित स्थानों पर विस्थापित करने का प्रदर्शन किया गया।बचाव कार्य के बाद, प्रभावित लोगों को मिश्रा कॉलोनी में स्थापित एक राहत शिविर में ठहराने की व्यवस्था का प्रदर्शन किया गया। शिविर में महिलाओं और पुरुषों के लिए अलग-अलग पंजीकरण काउंटर तथा पृथक आवासीय कक्ष बनाए गए थे। कम्युनिटी किचन के माध्यम से गर्म भोजन और शुद्ध पेयजल की व्यवस्था भी प्रदर्शित की गई।मॉकड्रिल में नदी में नाव पलटने की एक काल्पनिक घटना भी दर्शाई गई। इसमें डूब रहे ग्रामीणों को एनडीआरएफ की टीम ने सुरक्षित बाहर निकाला और प्राथमिक उपचार प्रदान किया। घायलों को एम्बुलेंस के माध्यम से जिला अस्पताल भेजने की प्रक्रिया का भी सफल प्रदर्शन किया गया।इसके अतिरिक्त, एक औद्योगिक फैक्ट्री में शॉर्ट सर्किट से आग लगने की स्थिति का भी अभ्यास किया गया। पुलिस विभाग ने अग्निशमन वाहनों के लिए ग्रीन कॉरिडोर उपलब्ध कराया, जबकि अग्निशमन विभाग ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाने का प्रदर्शन किया।राहत शिविर में चिकित्सा विभाग ने मेडिकल कैंप, शिक्षा विभाग ने वैकल्पिक शिक्षा केंद्र और बाल क्रीड़ा केंद्र, पुलिस ने कंट्रोल रूम, जल निगम ने स्वच्छ पेयजल व्यवस्था तथा स्वास्थ्य विभाग ने संक्रामक रोग नियंत्रण संबंधी गतिविधियों का प्रदर्शन किया। इस मॉकड्रिल में राजस्व विभाग, पुलिस, सिंचाई विभाग, अग्निशमन विभाग, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, पीएसी बाढ़ दल, चिकित्सा विभाग, पशुपालन विभाग, बाल विकास एवं पुष्टाहार, शिक्षा विभाग, पंचायती राज विभाग, जल निगम, नगर निगम, लोक निर्माण विभाग, नागरिक सुरक्षा, एनसीसी, एनएसएस और आपदा मित्रों ने सक्रिय भागीदारी निभाई।एडीएम सुशील कुमार गोंड ने कहा कि आपदा के समय सभी विभागों के बीच समन्वय और त्वरित कार्रवाई ही जनहानि को कम कर सकती है। मॉकड्रिल का उद्देश्य आपदा प्रबंधन प्रणाली को और अधिक प्रभावी एवं सुदृढ़ बनाना है।

छत से नीचे गिरा अधेड़ हुई मौत

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर चौरासी उन्नाव नगर पंचायत फतेहपुर चौरासी निवासी एक अधेड़ व्यक्ति की रात में छत से गिरने से मौत हो गई। परिजनों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को विधिक कार्यवाही करते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। व्यक्ति की मौत से परिजन रो रो कर बेहाल होते रहे। कस्बा निवासी लगभग साठ वर्षीय सूर्यप्रकाश उर्फ सुरजी चौरसिया बुधवार रात घर की छत पर सो रहे थे। भोर पहर वह उठकर नीचे आ रहे थे तभी अचानक पैर फिसल गया और जीने से नीचे गिर गए। गिरने से घायल होने पर परिजन उन्हें अस्पताल ले गए जहां सुरजी को मृत घोषित कर दिया गया। मौत की जानकारी होते ही परिजनों और मोहल्ले के लोगों में शोक की लहर दौड़ गई। सुरजी चौरसिया मुख्य बाजार में पान और मसाले की दुकान चलाकर जीवन यापन करते थे। पोस्टमार्टम के बाद शव का अन्तिम संस्कार क्षेत्र के दबौली सरैया घाट पर कर दिया गया।

रेलवे ट्रैक पर ट्रेन की चपेट से युवक की मौत

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव दही थाना क्षेत्र में रेलवे ट्रैक पर ट्रेन की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस घटना से मृतक के परिवार में मातम छा गया है। मृतक की पहचान 26 वर्षीय अंजनी चौरासिया पुत्र हीरालाल चौरासिया के रूप में हुई है। वह उन्नाव के दही थाना क्षेत्र के ग्राम राजेपुर के निवासी थे। अंजनी गुजरात के सूरत शहर में एक फैक्ट्री में काम करते थे और लगभग पांच दिन पहले ही अपने घर लौटे थे। गुरुवार को अंजनी किसी कारणवश रेलवे लाइन के पास होम सिग्नल के निकट पहुंचे, जहां वह ट्रेन की चपेट में आ गए।प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि ट्रेन गुजरने के बाद ट्रैक के किनारे युवक का शव पड़ा मिला। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना पुलिस और रेलवे अधिकारियों को दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। घटना की जानकारी मिलते ही मृतक के परिजन और ग्रामीण भी मौके पर पहुंच गए। परिवार के सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल था। अंजनी अपने परिवार में तीन भाइयों और एक बहन में सबसे छोटे थे। परिजनों ने बताया कि अंजनी रोजगार के लिए सूरत में एक निजी फैक्ट्री में कार्यरत थे। कुछ दिन पहले ही वह अपने घर आए थे और परिवार के साथ समय बिता रहे थे। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रथम दृष्टया यह मामला ट्रेन की चपेट में आने से हुई दुर्घटना का प्रतीत हो रहा है। पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है और पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों की स्थिति और स्पष्ट हो सकेगी।

भीषण सड़क दुर्घटना बाइक सवार युवक व महिला की मौत आक्रोशित ग्रामीणों ने मार्ग किया जाम

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर उन्नाव बिहार थानाक्षेत्र अन्तर्गत गुरुवार शुबह हुई सड़क दुर्घटना में बाइक सवार एक महिला व एक पुरुष की मौके पर मौत ही हो गयी। आक्रोशित ग्रामीणों ने शव रोड पर रख जाम लगा दिया। पुलिस की सूझबूझ से दो घंटे बाद जाम खोला जा सका व शवो को कब्जे में कर पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया गया।

थाना क्षेत्र के बिहार मौरावां मार्ग पर भदिहा गाँव के समीप त्रिपुरारपुर बैंक में पैसा निकालने जा रहे प्रेमशंकर पुत्र रामनरेश निवासी दलीशाह खेडा थाना गुरूबक्सगंज जनपद रायबरेली व उनके साथ उनकी सरहज बिटोला पत्नी रामकिशन निवासी बेवल मंशाखेड़ा थाना पुरवा जिला उन्नाव बाइक से जा रहे थे। फोन आ जाने पर भदिहा गाँव मे बाइक खड़ी कर प्रेमशंकर बात करने लगे तभी पुरवा की तरफ से अनियंत्रित व तेज गति से आ रहे हाफ चेचिस ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी जिससे दोनो ही लहूलुहान हो गए। अधिक खून बह जाने के कारण बिटोला व प्रेमशंकर दोनो की ही मौके पर मौत हो गयी। यह देख ग्रामीण आक्रोशित हो गए और उच्च अधिकारियों को बुलाने की मांग को लेकर सड़क जाम करने लगे।सूचना पर पहुँचे क्षेत्रधिकारी मधुप नाथ मिश्रा, थाना प्रभारी राहुल सिंह मय दल बल पहुँचे व आक्रोशित लोगो को समझा बुझा जाम खुलवाया। पुलिस ने दोनो शवो को कब्जे में कर पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया है। जबकि ट्रक भाग जाने में सफल रहा। बिहार थाना प्रभारी राहुल सिंह ने बताया कि ट्रक का पीछा कर उन्नाव लखनऊ रोड पर सोहरामऊ व बनी के बीच में पकड लिया गया है। चालक मौके से फरार है। अग्रिम कार्यवाही की जा रही है।

दिवंगत बिटोला के तीन पुत्र

करन, अरुण पारुल व चार बेटियां सीमा लक्ष्मी, रीना व पूजा है जबकि प्रेम शंकर के कोई पुत्र नही है। मौत की खबर पाते ही दोनो परिवार के परिजनों में कोहराम मच गया।

भू माफियाओं से अपनी ही जमीन कब्जा मुक्त कराने के लिए दर-दर भटक रही महिला

अमन लेखनी समाचार

पाटन उन्नाव बीघापुर तहसील क्षेत्र में भू माफियाओं के हौसले बुलंद प्रार्थी की भूमि धरी जमीन पर जबरन किया कब्जा नैकामऊ निवासी एक महिला सुबह से उप जिलाधिकारी कार्यालय के सामने न्याय की आस लगाए बैठी रही, लेकिन उसकी सुनवाई नहीं हुई महिला द्वारा आरोप लगाया जा रहा है।पीड़ित महिला का कहना है कि उसके भूमि धरी नंबर की जमीन पर कुछ लोगों द्वारा अवैध कब्जा और निर्माण कार्य किया जा रहा है। महिला के अनुसार, तहसील प्रशासन को प्रार्थना पत्र देने के बाद जांच कराई गई, जिसमें संबंधित भूमि उसके नाम दर्ज पाई गई और कथित रूप से निर्माण कार्य भी पाया गया।महिला ने आरोप लगाया कि विरोध करने पर उसके परिवार के साथ मारपीट की गई और उल्टा उनके ही परिजनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया गया। पीड़ित परिवार का कहना है कि बार-बार शिकायत के बावजूद अवैध कब्जा रुक नहीं रहा है और उन्हें न्याय की उम्मीद है।हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है। अब देखना होगा कि प्रशासन इस मामले में क्या कार्रवाई करता है और पीड़ित परिवार को कब तक न्याय मिल पाता है।

दो पक्षों में जमकर हुई मारपीट आधा दर्जन से अधिक लोग घायल

अमन लेखनी समाचार

पुरवा उन्नाव क्रिकेट के दौरान दो पक्षों मे हुए विवाद मे मारपीट मैं आधा दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए कोतवाली पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कर दिया। कस्बे के मुहल्ला दुगार्पुर में बुधवार शाम कुछ बच्चे क्रिकेट मैच खेल रहे थे।इसी दौरान मुहल्ले के ही नट जाती के दो युवक छोटू व रोहित वहां पहुंच गए और नशेबाजी करने लगे।जिसपर क्रिकेट खेल रहे बच्चो ने इसका विरोध किया तो उक्त युवक गाली गलौज करने लगे।इसी बीच पड़ोसी यूसुफ के यहां आई बारात के कुछ लोग भी मौके पर पहुंच गए।जिसपर मामला बढ़ता देख क्रिकेट खेल रहे बच्चे वहां से भागने लगे।तभी छोटू, रोहित सहित आधा दर्जन लोगों ने ईंट, पत्थर चला दिया।ईंट, पत्थर चलने से क्रिकेट खेल रहे जितेंद्र, अंकित सहित परिजन मंजू, दुगार्ना, गोल्डी, राजेंद्र घायल हो गए।घटना की जानकारी किसी ने 112 पुलिस को दे दी।मौके पर पहुंची पीआरवी ने सभी घायलों को सीएचसी में भर्ती कराया है।

कोतवाल भवन सिंह मौर्य ने बताया कि पीड़ित मंजू की तहरीर पर नामजद छोटू, रोहित, कपिल, पिन्ना, अयान सहित कई अज्ञात के विरुद्ध रिपोर्ट दर्जकर उक्त सभी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

सम्पादकीय

ममता के सामने अब तक का सबसे बड़ा संकट

जिस तृणमूल कांग्रेस को अब तक भाजपा के खिलाफ सबसे सशक्त आवाज समझा जाता था और पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी जिस अंदाज में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत पूरे राजग को अकेले ही जवाब देती हुई नजर आती थी। अब विधानसभा चुनाव में हार के बाद लगता है कि वह महज दिखावा ही था। असल में तृणमूल के 'तृण' और 'मूल' बिखर चुके थे। सिर्फ एक विधानसभा चुनाव की हार ने पार्टी की इस हालत को खोलकर रख दिया है कि उसमें भीतरी तौर पर कितना असंदतोष है। सबसे बड़ी बात यह है कि जमीनी स्तर से उच्चस्तर तक यह असंतोष दिखाई दे रहा है। यह ममता के सामने अब तक का सबसे बड़ा सियासी संकट है। टीएमसी के 50 से ज्यादा विधायक, 20 लोकसभा सांसद और एक राज्यसभा सांसद पार्टी नेतृत्व से नाराज होकर बगावती तेवर अपना चुके हैं। इनके भाजपा में शामिल होने की अटकलें लगाई जा रही हैं। ममता बनर्जी ने 15 साल से जिस ठसक से पश्चिम बंगाल को चलाया है। वह ठसक अब धरी की धरी ही रह गई है। वहीं, बगावती तेवर अपनाने वाले पार्टी नेताओं में ममता के भतीजे अभिषेक बनर्जी के खिलाफ गुस्सा है। इसके कारण ही पार्टी की यह दशा होने जा रही है। ममता के सामने अब अपने संगठन को एकजुट करने की सबसे बड़ी चुनौती है। हालांकि ममता संघर्ष और जुझारूपन से उभरी हुई नेता हैं। इसलिए उन्हें कमजोर तो नहीं माना जा सकता, लेकिन उम्र का भी एक तकाजा होता है। पश्चिम बंगाल की राजनीति में लंबे समय तक एक अजेय शक्ति के रूप में दिखाई देने वाली ममता आज अपने राजनीतिक जीवन के सबसे कठिन दौर का सामना करती नजर आ रही हैं। राजनीति में जीत कई कमजोरियों पर पर्दा डाल देती है, लेकिन हार उन सभी दरारों को सामने ले आती है जिन्हें नेतृत्व लंबे समय तक नजरअंदाज करता रहा हो। तृणमूल कांग्रेस के साथ भी कुछ ऐसा ही होता दिखाई दे रहा है। यदि बड़ी संख्या में विधायक और सांसद पार्टी नेतृत्व से असंतुष्ट होकर बगावती तेवर अपना रहे हैं, तो यह केवल चुनावी हार का परिणाम नहीं है। यह उस असंतोष का विस्फोट है जो वर्षों से संगठन के भीतर जमा होता रहा होगा। किसी भी राजनीतिक दल के लिए सबसे बड़ा खतरा विपक्ष नहीं, बल्कि उसका आंतरिक विघटन होता है। आज टीएमसी उसी चुनौती के सामने खड़ी है। चुनावी हार के बाद वही दबा हुआ असंतोष अब खुलकर सामने आ रहा है। यदि पार्टी के भीतर नेतृत्व को लेकर असंतोष है, तो यह केवल व्यक्तियों का विवाद नहीं बल्कि संगठनात्मक संतुलन का प्रश्न है। ममता बनर्जी के सामने सबसे बड़ी चुनौती यही है कि वह पार्टी को एकजुट रखते हुए नेतृत्व पर उठ रहे सवालों का समाधान करें। ममता ने जिस तरह से टीएमसी को खड़ा किया था वह अपने आप में एक सफलता की कहानी रही है। हालांकि बंगाल में वामपंथियों की कोई पार्टी नहीं बची। यही हाल अब तृणमूल का भी होने जा रहा है। एक विधानसभा चुनाव में हार के बाद पार्टी का इस तरह से बिखर जाना ममता के लिए एक बड़ा सबक है। यह भाजपा को भी इससे सबक लेना होगा। उसे अब टीएमसी की कमियों को दूर कर सरकार चलानी होगी और लोगों की उम्मीदों पर खरा उतरना होगा। प्रदेश में लोगों को भीतर से जोड़ना होगा। बंगाल का इतिहास रहा है कि जो पार्टी एक बार हार गई वह दोबारा सत्ता में नहीं आई। चाहे उसमें वाम दल हों, कांग्रेस हो या अब तृणमूल कांग्रेस।

'मूल' की दिक्कत या अस्तित्व का सवाल

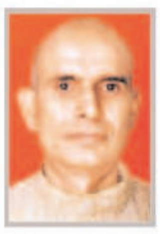

टीएमसी में टूट
अखिलेश आर्येन्दु

> पश्चिम बंगाल में हुए हालिया चुनाव में करारी हार के बाद तृणमूल कांग्रेस पार्टी अपने अस्तित्व के सबसे बड़े संकट का सामना कर रही है। टीएमसी की हार के बाद राजनीति के जानकार कहने लगे थे कि अब बंगाल में 15 साल तक सत्ता सुख भोगने वाली पार्टी को ऐसे खराब दिन भी देखने पड़ सकते हैं कि जब उसके सामने अस्तित्व बचाने का संकट होगा। महज एक महीने में ही पार्टी में ऐसा बिखराव शुरू हुआ कि ममता बनर्जी की लाख कोशिशों के बावजूद पार्टी लगातार टूटती जा रही है। ऐसा कहा जाने लगा है कि तृणमूल में कुछ मूल बचेगा भी या नहीं? नेताओं का अंदरूनी असंतोष पार्टी को लगातार तोड़ने का काम कर रहा है।

कहते हैं वर्तमान को देख कर भविष्य के बारे में अनुमान लगाना मुश्किल नहीं होता। यह कहावत तृणमूल कांग्रेस पर सटीक साबित हो रही है। पश्चिम बंगाल में हुए हालिया चुनाव में करारी हार के बाद तृणमूल कांग्रेस अपने अस्तित्व के सबसे बड़े संकट का सामना कर रही है। टीएमसी के हार के बाद राजनीति के जानकार कहने लगे थे कि अब पश्चिम बंगाल में 15 साल तक सत्ता सुख भोगने वाली पार्टी के लिए खराब दिन भी देखने पड़ सकते हैं जब उसके सामने अस्तित्व बचाने का संकट होगा। महज एक महीने में ही पार्टी में ऐसा बिखराव शुरू हुआ कि ममता बनर्जी की लाख कोशिशों के बावजूद पार्टी लगातार बिखरती जा रही है। ऐसा कहा जाने लगा है कि तृणमूल में कुछ मूल बचेगा भी कि नहीं? गौरतलब है पार्टी के 58 विधायकों ने विधानसभा स्पीकर को प्रस्ताव सौंपकर ऋतव्रत बनर्जी को विपक्ष का नेता और अलग विधायक दल के रूप में मान्यता देने की मांग की है। यही नहीं, तकरीबन 20 लोकसभा और राज्य सभा के कुछ सांसद भी बागी गुट के साथ साफ तौर पर आने की बात कह चुके हैं। एक राज्यसभा सांसद ने तो इस्तीफा भी दे दिया है। पश्चिम बंगाल में कभी राजनीति के चर्चित चेहरा रहे पूर्व राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी के सहयोगी सुखेंद्र शेखर राय का कहना है कि तृणमूल कांग्रेस बख्तरबंद की ओर बढ़ रही है। उनका मानना है कि तृणमूल के हारने की वजह कई है, लेकिन सवाल महज हारने का नहीं है, बल्कि यह अपने विचारों से ही भटक गई है। वे मानते हैं कि तृणमूल में वामपंथ की शून्यता, कम्युनिष्ट पार्टी का व्यापक बोल बाला और वैश्वीकरण के अपने मूल लक्ष्य से ही पार्टी अलग हो चुकी है। जिन वजहों से पार्टी की हार हुई है पार्टी उन्हें स्वीकारने के लिए ही तैयार नही है। ऐसे में पार्टी का अस्तित्व बच पाए, तो बहुत बड़ी बात है।

दरअसल, पश्चिम बंगाल की राजनीति में कोई क्षेत्रीय दल दशकों तक टिक नहीं पाया। कम्युनिष्ट पार्टी ही सबसे ज्यादा समय तक सत्ता पर काबिज रही, लेकिन 15 साल पहले जब इसकी करारी हार हुई और तृणमूल कांग्रेस सत्ता में आई, वामपंथ फिर बंगाल में लौट नहीं सका। जाहिर है तृणमूल की करारी हार महज सत्ता विरोधी लहर का नतीजा नहीं है, बल्कि वहां की जनता का गुस्सा है जो 15 सालों से पककर फूटा। यह हार महज किसी क्षेत्रीय पार्टी की हार नहीं है, बल्कि कुशासन, तानाशाही, गुंडागर्दी, संविधान की सरेआम धज्जियां उड़ाने, सत्ता का अहंकार और हिंदुओं का चुन-चुन कर उत्पीड़न का परिणाम है। सत्ता पाकर कोई व्यक्ति या दल किस तरह खुद को सबसे बड़ा और तानाशाह समझने लगता है, यह तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता व उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी के कार्य और जनता के साथ बर्ताव में देखा जा सकता है। पिछले 15 वर्षों में ममता की नेतृत्व वाली सरकार ने हर क्षेत्र में अपनी मनमानी दिखाई। लोकतंत्र और संविधान का राग अलापने वाली ममता ने पार्टी और शासन को जैसा चाहा, वैसा चलाया, जब कि जैसा एक निष्पक्ष और सर्वहितकारी शासन जैसा होना चाहिए वैसा नहीं होने दिया। आतंक, गुंडागर्दी, माफिया गुटों को संरक्षण और सांप्रदायिकता का जहर फैलाना पश्चिम बंगाल शासन में आम बात थी। वहां कि जनता ही ममता और अभिषेक से त्रस्त नहीं थी, बल्कि तृणमूल के नेता, विधायक और जमीनी कैडर भी परेशान थे।

टीएमसी की हार के बाद सत्ता जैसे ही हाथ से फिसली वैसे ही पार्टी का आंतरिक और बाहरी कलह खुलकर सामने आ गई। जिसे ममता या उनके भतीजे के संभालते नहीं संभल रहा है। ममता ने पार्टी के बिखराव को रोकने और आत्ममंथन के नाम पर पश्चिम बंगाल की सभी संगठनात्मक समितियों और फ्रंटल संगठनों को भंग कर दिया है, लेकिन उससे बगावत करने वालों पर कोई असर दिखाई नहीं दे रहा है। न बगावती मनाने से मान रहे हैं और न तो समझाने का उन पर कोई असर दिख रहा है। बगावतियों का कहना है कि पार्टी तानाशाही और एकाधिकारी वादी ढर्रे पर चल रही है, जहां उनका कोई सम्मान नहीं है। दरअसल, क्षेत्रीय दलों में सत्ता का बागडोर एक-दो व्यक्तियों के हाथ में होती है। जिससे धीरे-धीरे पार्टी के योग्य व्यक्तियों में असंतोष पैदा होता है, लेकिन परिवारी पार्टी होने की वजह से इस असंतोष को पार्टी के साथ गद्दारी कहकर दबा दिया जाता है। इसका उदाहरण सपा, बसपा, शिवसेना और तृणमूल में हम देख सकते हैं। तृणमूल में जिस शुभेन्दु अधिकारी की आवाज और उनकी योग्यता को दर किनार करके ममता ने अपने भतीजे अभिषेक को आगे कर पार्टी की बागडोर सौंप दी, उस बगावती शुभेन्दु अधिकारी ने उनके ही चुनाव क्षेत्र से हराया ही नहीं, बल्कि सत्ता से बेदखल कर मुख्यमंत्री भी बन बैठे। देखने की बात यह है कि इसके बाद भी ममता को अभी भतीजा मोह परेशान किए जा रहा है। वे अपनी ही पार्टी के समर्पित कार्य-कर्ताओं की उपेक्षा ही नहीं कर रही हैं, बल्कि भतीजे के कहने पर ही सभी तरह का निर्णय ले रही हैं। क्षेत्रीय दलों का यह सबसे बड़ा दोष है-सत्ता के अलावा उनकी सोच का दायरा कभी आगे बढ़ता ही नहीं है। सपा और बसपा इसके बड़े उदाहरण हैं। दोनों कहने के लिए एक खास विचारधारा के साथ पार्टी को आगे बढ़ा रहे हैं, लेकिन न लोहिया कहीं नजर आते हैं और न ही आंबेडकर। न संविधान के पहुरुआ वाला रूप नजर आता है और न तो लोकतंत्र की रक्षा वाला ढंग ही कहीं नजर आता है, बल्कि वक्त-दर-वक्त उस कांग्रेस के साथ गलबहियां करते रहते हैं, जिस कांग्रेस के विरोध के फलस्वरूप ये पार्टियां अस्तित्व में आई थीं। यही हाल ममता का है। जिस विचारधारा लोकतंत्र और संविधान की रक्षा और जनहित सर्वोपरि का नारा दे ममता सत्ता में आई थीं वे नारे और विचारधारा सत्ता में आते ही फुर्र हो गए थे। जाहिर तौर पर पं.बंगाल में भ्रष्टाचार, शोषण, अन्याय, हिंसा, सांप्रदायिकता को बढ़ाने के बहुसूत्रीय कार्य को बढ़ावा देने का कार्य ममता सरकार ने किया, जिसका परिणाम ममता और अभिषेक बनर्जी की हार के रूप में सामने आया। कहते हैं व्यक्ति हो, परिवार हो या कोई संस्था-दल हो, जब वह चिंतन से विमुख हो हित-अहित, न्याय-अन्याय, धर्म-अधर्म और नैतिकता-अनैतिकता में अंतर करना भूल जाता है, तब उसके पतन के दिन प्रारंभ हो जाते हैं। तृणमूल कांग्रेस, कांग्रेस आई और वामपंथियों के पतन का सबसे बड़ा कारण यही रहा। जब अपना दोष दूसरों पर या अपनी कमी का ठीकरा दूसरों पर फोड़ा जाने लगे, तब उस व्यक्ति, समाज या दल के पतन को कोई नहीं रोक सकता है। तृणमूल के पतन या अस्तित्व खत्म होने की भविष्यवाणी करने वालों का चिंतन और अनुभव कहता है कि पार्टी यदि एकाधिकारीवादी प्रवृत्ति से उपर यदि नहीं उठ पाई तो, तृणमूल के अस्तित्व को बनाए रखना मुश्किल होगा। इतना तो साफ हो गया है कि ममता दीदी के दिन अब लद गए हैं। भाजपा को अपना प्रथम-शत्रु घोषित करने वाली ममता को बंगाल के लोग यदि सांप्रदायिकता और अधर्म की प्रतीक बताकर गालियां देते दिखाई दे रहे हैं-जबकि अब उनकी सत्ता नहीं है, तो अनुमान लगाया जा सकता है कि वहां जनता कितनी त्रस्त, परेशान और बदहाल थी।

त्रिभाषा फार्मूला

डॉ. ओमप्रकाश प्रजापति

समावेशी विकास या फिर मानसिक बोझ

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी 2020) और राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा (एनसीएफ 2023) के लागू करने की दिशा में कदम बढ़ाते हुए केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) द्वारा शैक्षणिक सत्र 2026-27 से कक्षा 6 से 9 तक त्रिभाषा सूत्र को समग्रता से लागू करने का निर्णय भारत के शैक्षिक और सांस्कृतिक परिदृश्य में एक बहुत बड़ा कदम है। शिक्षा के क्षेत्र में भाषा केवल संवाद या विचारों के आदान-प्रदान का माध्यम नहीं होती यह ज्ञान, संस्कृति, राष्ट्रीय अस्मिता और मनुष्य की सोचने-समझने की मौलिक क्षमता के विकास का आधार होती है। यही कारण है कि प्रतिष्ठित संस्थाओं और देश के प्रख्यात शिक्षाविदों ने सीबीएसई के इस निर्णय को प्रशंसनीय बताया है। इसके विपरीत महानगरों के कुछ छात्रों और उनके अभिभावकों द्वारा देश की सर्वोच्च अदालत में इस नीति के खिलाफ जनहित याचिका दायर करना और इसे 'मानसिक बोझ' बता देना एक नए वैचारिक टकराव को जन्म देता है। इस स्थिति को समझने के लिए हमें इस विषय के व्यावहारिक, वैज्ञानिक और सामाजिक पहलुओं का गहराई से विश्लेषण करना होगा। दुनिया के मानचित्र पर यदि हम चीन, जापान, रूस, जर्मनी, फ्रांस व ब्राजील जैसे विकसित और विकासशील देशों पर दृष्टि डालेंतो अनुभव होता है कि इन सभी राष्ट्रों ने अपनी प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा का पूरा ढांचा अपनी मातृभाषा या अपनी राष्ट्रीय भाषाओं पर ही केंद्रित रखा है। यूनेस्को जैसी वैश्विक संस्था भी लगातार इस बात जोर दे रही है कि बच्चों को उनकी शुरुआती कक्षाओं में मातृभाषा में ही शिक्षा दी जानी चाहिए। जिससे उनकी सोचने और समझने की मौलिक शक्ति का ह्रास नहीं होता। जब दुनिया के विकसित देश अपनी भाषाओं के माध्यम से विज्ञान, तकनीक और चिकित्सा के क्षेत्र में सर्वोच्च मुकाम हासिल कर सकते हैं तो भारत में इस वैज्ञानिक दृष्टिकोण को अपनाने पर आपत्ति क्यों होनी चाहिए? एक बड़ा प्रश्न यह भी उठता है कि जब हमारे देश का एक विशिष्ट वर्ग बच्चों पर छोटी उम्र से ही विदेशी भाषाएं सीखने या पूरी शिक्षा विदेशी भाषा के माध्यम से ग्रहण करने का दबाव बनाता है तब उन्हें कोई 'मानसिक बोझ' दिखाई नहीं देता, लेकिन जैसे ही बच्चों को मातृभाषा के साथ-साथ दो अन्य भारतीय भाषाएं सीखने का विकल्प दिया जाता है तो उसे बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य के लिए खतरा बताकर न्यायालयों का दरवाजा खटखटाया जाने लगता है। जब कोई छात्र अपने ही देश की किसी दूसरी भाषा को सीखता है तो वह केवल भाषा नहीं सीखता, बल्कि उस राज्य के इतिहास, लोक-साहित्य, परंपराओं और वहां के जनजीवन से जुड़ता है। एक उत्तर भारतीय छात्र का तमिल, तेलुगु, ओड़िया या मराठी सीखनाया एक दक्षिण भारतीय छात्र का हिंदी, संस्कृत या बांग्ला सीखना केवल एक अतिरिक्त विषय पढ़ना नहीं है यह उस पुल का निर्माण करना है जो दिलों को जोड़ता है। यह नीति 'अनेक भाषाएं एक भारत-समृद्ध भारत समर्थ भारत' को चरितार्थ करती है जो भारत को समस्त विश्व में एक नई पहचान देने के लिए प्रतिबद्ध है। इस 'मानसिक बोझ' के मिथक को यदि आधुनिक भाषा विज्ञान और न्यूरोसाइंस से समझा जाए, तो यह पूरी तरह से एक काल्पनिक और वैज्ञानिक आधार से परे का कुतर्क साबित होता है। इस गहरी समानता के कारण एक भारतीय छात्र के लिए अपने ही देश की किसी दूसरी क्षेत्रीय या शास्त्रीय भाषा को सीखना किसी बिल्कुल अनजानी विदेशी भाषा जैसे फ्रेंच, जर्मन को सीखने की तुलना में बहुत आसान सुगम और स्वाभाविक होता है। तीन भाषाओं के अध्ययन को एक 'अतिरिक्त बोझ' के रूप में प्रचारित करना वास्तव में हमारे बच्चों की सीखने की प्राकृतिक और असीम क्षमता को कम आंकने जैसा है। यदि हम भारत के विभिन्न राज्य माध्यमिक शिक्षा बोर्डों को देखें तो पाएंगे कि देश के अधिकांश राज्यों में कक्षा 6 से 10 तक त्रिभाषा सूत्र पहले से ही सफलतापूर्वक और बिना किसी व्यवधान के चल रहा है।

जीवन का प्रथम अनुबंध किसको माना है?

संकलित
दर्शन

अनुबंध चतुष्टय में 'अधिकारी' को प्रथम अनुबंध स्वीकार किया गया है। मानव की आध्यात्मिक और लौकिक यात्रा के निर्विघ्न संचालन में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। लोक में इसके लिए योग्यता या पात्रता पद का प्रयोग होता है, जिसका तात्पर्य है, किसी कार्य के निष्पादनार्थ पात्रता प्राप्त करना।सामान्यतः प्रत्येक कार्य के लिए प्रत्येक व्यक्ति पात्र नहीं होता। इसलिए अनधिकारी व्यक्ति द्वारा किया गया कार्य सफल और लोकमंगलकारी हो, यह आवश्यक नहीं, परंतु अधिकारी (पात्र) व्यक्ति द्वारा किया गया प्रत्येक कार्य सफल भी होता है और लोकमंगलकारी भी। इसलिए अधिकारी आत्मिक और जागतिक कल्याण का मार्ग प्रशस्त करने वाला मानव जीवन का प्रथम अनुबंध है। इसीलिए इसे शास्त्रों में विशेष महत्व दिया गया है। वेदांत में अधिकारी को परिभाषित करते हुए कहा गया-जिसने विधिवत ज्ञान प्राप्त कर काम्य एवं निषिद्ध कर्मों का परित्याग कर दिया है। नित्य, नैमित्तिक और उपासनादि कर्म करने से जिसकी बुद्धि परिष्कृत और अंतःकरण निर्मल हो चुका है, ऐसा पापरहित व्यक्ति ही विशिष्ट ज्ञान का अधिकारी है। विश्वामित्र आदि ऋषियों ने अधिकारी समझकर ही राम को विविध आयुध प्रदान किए, जिससे उनका दुरुपयोग न हो सके। जैसे अधिकारी व्यक्ति का ज्ञान लोकमंगल के लिए होता है, उसी प्रकार अधिकारी को प्रदान की गई शक्तियां समाज, देश और मानवता की रक्षा के लिए होती हैं। इतिहास साक्षी है कि जब भी अनधिकारी को शक्तियां प्रदान की गई हैं, उनका दुरुपयोग ही हुआ है।

दान की बड़ी महिमा

संकलित
प्रेरणा

एक बार राजा भोज एक जंगल के रास्ते से जा रहे थे। साथ में उनके राजकवि पंडित धनपाल भी थे। रास्ते में एक विशाल बरगद के पेड़ में मधुमक्खियों का एक बहुत बड़ा छत्ता लगा था। जो शहद के भार से गिरने ही वाला था।राजा भोज ने ध्यान से देखा तो पाया कि मधुमक्खियां उस छत्ते से अपने हाथ पैर घिस रही हैं। उन्होंने राजकवि से इसका कारण पूछा। राजकवि बोले- महाराज ! दान की बड़ी महिमा है। शिवि, दधीचि, कर्ण, बलि आदि अनेक दानियों का नाम उनके न रहने के बाद भी चल रहा है। जबकि केवल संचय करने और दान न करने वाले बड़े बड़े राजा महाराजाओं का आज कोई नाम लेने वाला भी नहीं है। इन मधुमक्खियों ने भी आजीवन केवल संचय ही किया है, कभी दान नहीं किया। इसलिए आज अपनी संपत्ति को नष्ट होते देखकर इन्हें दुःख हो रहा है। इसीलिए ये अपने हाथ पैर घिस रही हैं। अतः आवश्यकता से अधिक संचय हमेशा दुःख का कारण होता है। मनुष्य भी जीवन भर संपत्तियों का संचय करता है। संपत्ति संचय के लिए तरह-तरह के पैतरे अपनाता है पर अंततः जब मृत्य आती है तो संचय की गई संपत्ति यही छोड़कर जाना पड़ता है। उस संचित संपत्ति पर परिवार के सदस्यों का हक होता है। इसी जरूरत से ज्यादा संपत्ति के संचय से बचना चाहिए।

अंतर्मन

आज की पाती

साइबर सुरक्षा के लिए जनचेतना जरूरी

आज हमारे देश में साइबर फ्रॉड के मामले बहुत बढ़ गए हैं। इसके लिए जागरूकता अभियान बहुत जरूरी है। साइबर सुरक्षा के लिए इन बातों पर ध्यान रखना जरूरी है। एसएमएस या व्हाट्सएप पर आए किसी भी अनजान लिंक को न खोलें। किसी को भी ओटीपी या अपने इंटरनेट बैंकिंग की डिटेल न दें। केवाईसी के नाम पर भी साइबर फ्रॉड हो सकता है। इसके लिए बैंक से संपर्क करें। आजकल तो ई-चालान, बिजली बिल भरने के नाम पर धोखाधड़ी के मैसेज आ रहे हैं, इनसे भी सावधान रहें। अपने नेट बैंकिंग और मोबाइल बैंकिंग के पासवर्ड और पिन बदलते रहें। हालांकि सरकार ने साइबर धोखाधड़ी से बचने के अनेक उपाय किए हैं, लेकिन समूह समाज को भी सचेत रहना होगा।

- महेश कुलकर्णी, बिलासपुर

ट्रेंड

संविधान पर हमले जारी

संविधान पर हमले जारी हैं। जांच एजेंसियों का इस्तेमाल विपक्षी नेताओं को परेशान करने के लिए किया जा रहा है। आर्थिक माहौल कमजोर है। निवेश अपेक्षित गति से नहीं आ रहा, रोजगार पर असर पड़ रहा है। **-मल्लिकार्जुन खरगे,** अध्यक्ष, कांग्रेस

स्वार्थी भाजपा में जा रहे

साल 2024 में इन सांसदों ने टीएमसी के टिकट पर जीत दर्ज की थी और यह जनादेश एनडीए के लिए नहीं था। पीली पतलून वाले जितने भी लालची और स्वार्थी है, वे अब बीजेपी में शामिल हो सकते हैं। यूसुफ पठान थोड़ी हिम्मत दिखाइए, हमारे जिले ने आपको भारी बहुमत से जिताया है, इसलिए थोड़ी शर्म दिखाइए। **-महुआ मोइत्रा,** सांसद टीएमसी

अवैध शिकार में शामिल

पश्चिम बंगाल चुनाव का (भाजपा प्रभारी के तौर पर) काम देखने वाले केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव 'अवैध शिकार' में शामिल हुए हैं। इन मंत्री का विशेष काम शिकारियों को पकड़वाना और अवैध शिकार को रोकना है, न कि खुद ऐसा करना। **-जयराम रमेश,** कांग्रेस महासचिव

टीम को मानकों पर परखें

अब समय आ गया है कि टीम को 'बदलाव के दौर' में बताने के बजाय टेस्ट क्रिकेट के मानकों पर परखा जाए। हाल के टेस्ट नतीजो को देखें तो गेंदबाजों ने काम काफी हद तक किया, लेकिन बल्लेबाजों को, अनुशासन व बेहतर तकनीक दिखाने की जरूरत है। **-सुनील गावस्कर,** पूर्व कप्तान, क्रिकेट

करंट अफेयर

सजा पूर्ण पर बांग्लादेश की जेलों में बंद 150 भारतीय

लगभग 150 भारतीय अपनी जेल की सजा पूरी करने के बावजूद अब भी बांग्लादेश की जेलों में बंद हैं, क्योंकि प्रक्रिया से संबंधित देरी के कारण उनकी स्वदेश वापसी नहीं हो पा रही है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। एक जेल अधिकारी ने नाम सार्वजनिक नहीं करने की शर्त पर बताया कि छह महीने पहले प्रकाशित जेल आंकड़ों के अनुसार, बांग्लादेश की जेलों में 152 विदेशी कैदी बंद हैं, जिनमें 148 भारतीय शामिल हैं। ये सभी अपनी सजा पूरी कर चुके हैं, फिर भी जेल में हैं।अधिकारी ने कहा कि इनमें से कई विदेशी कैदियों ने वर्षों पहले अपनी सजा पूरी कर ली थी,

ऑफ बीट

औषधीय भांग का इस्तेमाल करने वालों की संख्या बढ़ी

ऑस्ट्रेलिया में चिकित्सक लोगों को पहले से कहीं अधिक औषधीय भांग लेने का परामर्श दे रहे हैं। औषधीय भांग का मतलब कानूनी रूप से निर्धारित भांग उत्पादों से है। ये या तो पौधे ही होते हैं, या पौधे से निकाले गए प्राकृतिक तत्व होते हैं। टेट्राहाइड्रोकैनाबिनोल (टीएचसी) और कैनाबिडियोल (सीबीडी) जैसे तत्वों को कैनाबिनोइड्स कहा जाता है। कुछ कैनाबिनोइड्स प्रयोगशालाओं में भी बनाए जाते हैं और ये पौधे में मौजूद तत्वों की तरह काम करते हैं। औषधीय भांग विभिन्न रूपों में आती है, जैसे तेल, कैप्सूल, सूखे फूल (वाष्पीकरण में इस्तेमाल किए जाने वाले), स्प्रे और खाद्य रूप जैसे 'गमी' आदि।

संक्षेप

75 वर्षीय बुजुर्ग की गोली मारकर हत्या

हाईवे पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसाई, हत्यारे मौके से फरार हो गए, 7 टीमें कर रहीं तलाश

अमेठी, सुबह शौच के लिए जा रहे 75 वर्षीय बुजुर्ग हीरालाल दुबे की अज्ञात बदमाशों ने गोली मारकर हत्या कर दी। यह घटना जगदीशपुर थाना क्षेत्र के लोढ़ियावा गांव में हुई। बदमाशों ने वारदात को अंजाम देने के बाद हाइवे के रास्ते फरार हो गए। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और हत्यारों की गिरफ्तारी के लिए सात टीमें गठित की हैं यह घटना सोमवार सुबह करीब पांच बजे की है, जब हीरालाल दुबे हाइवे के किनारे झाड़ियों में शौच के लिए जा रहे थे। हाइवे पर पहुंचते ही अज्ञात हमलावरों ने उन पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसा दीं, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया ।मृतक के नाती वीरेंद्र कुमार द्विवेदी पुत्र अंजनी कुमार द्विवेदी की तहरीर पर अज्ञात बदमाशों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस अधीक्षक सरवणन टी ने बताया कि सर्विलांस और एसओजी सहित पुलिस की सात टीमें गठित की गई हैं, जो हर एंगल से मामले की तफ्तीश कर रही हैं। उन्होंने जल्द ही घटना का खुलासा करने का दावा किया है। सूत्रों के अनुसार, इस हत्याकांड को सुपारी किलर द्वारा अंजाम दिया गया है और इसका मास्टरमाइंड कोई करीबी व्यक्ति हो सकता है। सूत्रों ने यह भी बताया कि हत्यारों को बुजुर्ग के आने-जाने की पूरी जानकारी थी, जिसके चलते वारदात को हाइवे पर अंजाम दिया गया ताकि उन्हें भागने में कोई दिक्कत न हो।

बी.फार्मा छात्र ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

यूपीसीडा कॉलोनी में मिला शव, पुलिस जांच में जुटी

अमेठी ,जगदीशपुर के कमरौली थाना क्षेत्र स्थित यूपीसीडा कॉलोनी में सोमवार शाम लगभग सात बजे एक बी.फार्मा छात्र ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलते ही कमरौली पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी ।पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान दुर्गेश कुमार शुक्ला उर्फ सौरभ (21 वर्ष) पुत्र संतोष कुमार शुक्ला निवासी गोधना, पोस्ट सेमरौता, थाना शिवरतनगंज के रूप में हुई है। दुर्गेश डॉक्टर आनंद ओझा के मकान में केयरटेकर के तौर पर रहता था और बी.फार्मा की पढ़ाई कर रहा था। घटनास्थल पर मौजूद रायबरेली निवासी एक युवती ने बताया कि दुर्गेश उसका मित्र था। युवती के अनुसार, दुर्गेश पिछले कुछ समय से मानसिक रूप से परेशान दिख रहा था। उसने बताया कि दुर्गेश ने उसके सभी मोबाइल नंबर ब्लॉक कर दिए थे। जब उसने दूसरे नंबर से संपर्क किया, तो दुर्गेश ने फोन उठाया लेकिन सामान्य बातचीत नहीं की। इसके कुछ समय बाद उसे घटना की जानकारी मिली। दुर्गेश तीन भाइयों में दूसरे नंबर पर था। उसका बड़ा भाई विवेक शुक्ला इंजीनियर है और बाहर नौकरी करता है, जबकि छोटा भाई अभय शुक्ला है। दुर्गेश के पिता संतोष कुमार शुक्ला चंडीगढ़ में एक निजी कंपनी में चालक के पद पर कार्यरत हैं। घटना की सूचना मिलते ही वह चंडीगढ़ से घर के लिए रवाना हो गए। घटना की सूचना मिलने पर परिजन और रिश्तेदार भी मौके पर पहुंच गए।

तप्पेसिपाह घाघरा घाट पर बाढ़ से बचाव हेतु प्रशासन ने किया मॉक एक्सरसाइज ,लोगों को किया जागरूक

अमन लेखनी समाचार

कैसरगंज, बहराइच। जनपद में संभावित बाढ़ की स्थिति को देखते हुए प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आ रहा है। बाढ़ जैसी आपदा से प्रभावी ढंग से निपटने तथा आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य से गुरुवार को तहसील कैसरगंज अंतर्गत तपसिपा घाघरा घाट पर व्यापक स्तर पर मॉक एक्सरसाइज का आयोजन किया गया। इस दौरान प्रशासनिक अधिकारियों एवं बाढ़ राहत से जुड़े विभागों की टीमों ने संयुक्त रूप से राहत एवं बचाव कार्यों का प्रदर्शन किया मॉक एक्सरसाइज में एसडीएम कैसरगंज अखिलेश कुमार सिंह, तहसीलदार कैसरगंज मीना गौर, नायब तहसीलदार सचिन श्रीवास्तव सहित राजस्व विभाग, आपदा प्रबंधन विभाग, स्वास्थ्य विभाग, पुलिस विभाग तथा अन्य संबंधित विभागों के कर्मचारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने बाढ़ आने की स्थिति में लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने, राहत सामग्री वितरण, प्राथमिक उपचार, नाव संचालन, बचाव कार्य और आपदा के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों ने ग्रामीणों एवं स्थानीय लोगों को बताया कि बाढ़ के समय घबराने की आवश्यकता नहीं है, बल्कि प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निदेर्शों का पालन करना चाहिए। लोगों को यह भी बताया गया कि बाढ़ के दौरान ऊंचे एवं सुरक्षित स्थानों पर रहें, बच्चों एवं बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखें तथा किसी भी आपात स्थिति में तुरंत प्रशासन को सूचना दें।एसडीएम कैसरगंज अखिलेश कुमार सिंह ने कहा कि शासन के निदेर्शानुसार बाढ़ से बचाव हेतु सभी आवश्यक तैयारियांर्ण कर ली गई हैं। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है तथा राहत एवं बचाव कार्यों के लिए टीमें अलर्ट मोड पर हैं। उन्होंने बताया कि किसी भी आपदा की स्थिति में प्रशासन आमजन की सहायता के लिए पूरी तरह तैयार है। तहसीलदार मीना गौर ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि बारिश एवं बाढ़ के दौरान अफवाहों पर ध्यान न दें और प्रशासन द्वारा जारी सूचनाओं पर ही विश्वास करें। वहीं नायब तहसीलदार सचिन श्रीवास्तव ने बताया कि बाढ़ चौकियों को सक्रिय कर दिया गया है तथा राहत सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। मॉक एक्सरसाइज के दौरान स्थानीय ग्रामीणों ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया और प्रशासन द्वारा दी गई जानकारियों को गंभीरता से सुना। कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों में जागरूकता बढ़ाना तथा आपदा के समय त्वरित राहत एवं बचाव कार्यों को प्रभावी बनाना रहा।

राजकुमार पांडेय को मिला कैसरगंज कोतवाली का प्रभार

राजेश शुक्ला हुए लाइन हाजिर

अमन लेखनी समाचार

कैसरगंज, बहराइच। जनपद बहराइच की कैसरगंज कोतवाली में एक बार फिर प्रशासनिक फेरबदल किया गया है। कैसरगंज कोतवाली का प्रभार अब नवागत थाना अध्यक्ष राजकुमार पांडे को सौंपा गया है, जबकि पूर्व थाना अध्यक्ष राजेश शुक्ला को लाइन हाजिर कर दिया गया है। इस बदलाव के बाद क्षेत्र में चचाओं का माहौल बना हुआ है कैसरगंज क्षेत्र जनपद का काफी संवेदनशील इलाका माना जाता है। यहां समय-समय पर कानून व्यवस्था बनाए रखना पुलिस प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती साबित होता रहा है। ऐसे में अब लोगों की निगाहें नवागत थाना अध्यक्ष राजकुमार पांडे पर टिकी हुई हैं कि वह किस प्रकार क्षेत्र में शांति व्यवस्था कायम रखते हुए अपराध एवं असामाजिक गतिविधियों पर अंकुश लगा पाते हैं। स्थानीय लोगों का मानना है कि कैसरगंज कोतवाली क्षेत्र में अपराध नियंत्रण, आपसी सौहार्द बनाए रखना, त्योहारों के दौरान सुरक्षा व्यवस्था तथा जनता के साथ बेहतर तालमेल थाना अध्यक्ष के लिए अहम जिम्मेदारी होगी। वहीं पुलिस विभाग की ओर से उम्मीद जताई जा रही है कि नए थाना अध्यक्ष अपने अनुभव एवं कार्यशैली से क्षेत्र में कानून व्यवस्था को और मजबूत करेंगे। सूत्रों के अनुसार नवागत थाना अध्यक्ष राजकुमार पांडे ने कार्यभार ग्रहण करने के बाद पुलिस कर्मियों के साथ बैठक कर क्षेत्र की स्थिति की जानकारी ली तथा कानून व्यवस्था को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान करना उनकी पहली प्राथमिकता होगी और अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी ।अब देखना यह होगा कि संवेदनशील माने जाने वाले कैसरगंज क्षेत्र में नवागत थाना अध्यक्ष किस प्रकार अपनी कार्यशैली से जनता का विश्वास जीतते हैं और क्षेत्र में शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने में कितने सफल साबित होते हैं।

बेंचू प्रसाद गोंड बने जालिम नगर चौकी इंचार्ज

21 उप निरीक्षकों के साथ ही 15 सिपाहियों का हुआ तबादला

अमन लेखनी समाचार

मिथिलेश जायसवाल

मोतीपुर बहराइच। पुलिस अधीक्षक विश्वजीत श्रीवास्तव ने कानून व्यवस्था को बनाए रखने के लिए गुरुवार को तबादला एक्सप्रेस चलाई जिसमें 21 उप निरीक्षकों के साथ ही 15 सिपाहियों के कार्य क्षेत्र में बदलाव हुआ है। इसी क्रम में थाना मोतीपुर के जालिम नगर चौकी के इंचार्ज रहे दिवाकर मिश्रा का तबादला हरदी थाना क्षेत्र के महसी चौकी पर किया गया है। वही कैसरगंज थाने में तैनात बेंचू प्रसाद गोंड को पुलिस चौकी जालिम नगर का चौकी इंचार्ज बनाया गया है। पुलिस अधीक्षक द्वारा चलाई गई तबादला एक्सप्रेस से पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया। वहीं सूत्रों की माने तो अभी कई थाना प्रभारी समेत कई उप निरीक्षकों व सिपाहियों के कार्य क्षेत्र में बदलाव के संकेत है।

मोहर्रम पर्व को लेकर चौकी भगड़वा में शांति समिति की बैठक आयोजित

परंपरागत मार्गों से ही निकलेंगे जुलूस

अमन लेखनी समाचार

कैसरगंज, बहराइच। दिनांक 10 जून 2026 को थाना हुजूरपुर क्षेत्रान्तर्गत चौकी भगड़वा परिसर में आगामी मोहर्रम पर्व को सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से ताज़ियादारों, जुलूस आयोजकों एवं क्षेत्र के संभ्रांत व्यक्तियों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में बड़ी संख्या में ताज़ियादार, ग्राम प्रधान एवं क्षेत्रीय गणमान्य लोग उपस्थित रहे ।बैठक के दौरान पुलिस प्रशासन द्वारा शासन एवं उच्चाधिकारियों से प्राप्त दिशा-निर्देशों की विस्तृत जानकारी देते हुए सभी आयोजकों को आवश्यक नियमों का पालन करने हेतु जागरूक किया गया। पुलिस क्षेत्राधिकारी कैसरगंज डीके श्रीवास्तव ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि मोहर्रम का पर्व आपसी भाईचारे, शांति एवं सौहार्द का प्रतीक है, इसलिए सभी लोग मिल-जुलकर इसे शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न कराएं। उन्होंने स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि कोई भी ताज़िया 10 फीट से अधिक ऊंचा नहीं बनाया जाएगा तथा पूर्व निर्धारित जुलूस मार्गों में किसी भी प्रकार का बदलाव स्वीकार नहीं किया जाएगा। सभी ताज़िया जुलूस परंपरागत मार्गों एवं निर्धारित समय के अनुसार ही निकाले जाएंगे।इसके अतिरिक्त किसी भी प्रकार की नई परंपरा शुरू करने अथवा भड़काऊ गतिविधियों की अनुमति नहीं होगी। पुलिस क्षेत्राधिकारी ने कहा कि सोशल मीडिया पर भ्रामक अथवा आपत्तिजनक पोस्ट साझा करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की। साथ ही उन्होंने कहा कि पर्व के दौरान सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रहेगी और पुलिस प्रशासन पूरी सतर्कता के साथ क्षेत्र में भ्रमणशील रहेगा। बैठक में मौजूद सभी ताज़ियादारों एवं क्षेत्रीय नागरिकों ने प्रशासन को पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया तथा शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मोहर्रम पर्व संपन्न कराने की बात कही। इस अवसर पर चौकी प्रभारी भगड़वा सहित पुलिस विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए पुलिस ने चलाया अभियान

अमन लेखनी समाचार

मिथिलेश जायसवाल

मोतीपुर, बहराइच। जनपद बहराइच में लगातार हो रही सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए पुलिस अधीक्षक विश्वजीत श्रीवास्तव के निर्देशन में यातायात व क्षेत्रीय पुलिस लगातार वाहन चेकिंग अभियान चलाकर नियमों को तोड़ने वालों पर कार्यवाही कर रही है। थाना मोतीपुर के मटिहा मोड पर पुलिस ने चेकिंग अभियान चलाया इस दौरान बिना हेलमेट के फरार्टा भरने वाले बाइक सवारों का चालान किया गया इस दौरान अफरा तफरी का माहौल रहा। चेकिंग के दौरान उप निरीक्षक नवनीत भास्कर ने वाहन चालकों को जागरुक करते हुए कहा कि सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए यातायात नियमों का पालन करें हेलमेट लगाकर ही बाइक चलाएं तथा ओवर स्पीड व नशे से बचें। यातायात प्रभारी राम प्रकाश ने बताया कि सड़क दुर्घटनाओं को रोकने तथा वाहन चालकों को नियमों का पालन कराने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है नियम तोड़ने वालों के खिलाफ कार्यवाही भी की जा रही है। चेकिंग के दौरान उपनिरीक्षक नवनीत भास्कर, रोहित वर्मा, सिपाही प्रिंस गिरी, नितेश सिंह, रोहित सिंह शामिल रहे।

मॉक ड्रिल में ग्रामीणों ने ली हिस्सेदारी

सरयू नदी के बौड़ीघाट पर बाढ़ से निपटने की तैयारी में ग्रामीणों को सिखाए गए टिप्स

अमन लेखनी समाचार

शिवपुर, बहराइच ।जिले के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में जनजागरूकता बढ़ाने और आपदा की स्थिति में त्वरित राहत एवं बचाव कार्य सुनिश्चित करने के उद्देश्य से गुरुवार को शिवपुर विकास खंड के ग्राम बौडी स्थित सरयू नदी घाट पर प्रशासन की ओर से मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम शासन के निर्देश पर आयोजित किया गया, जिसमें विभिन्न विभागों के अधिकारियों, बचाव दलों और ग्रामीणों ने भाग लिया ।गौरतलब है कि विकास खंड शिवपुर के कई गांव प्रतिवर्ष सरयू नदी में आने वाली बाढ़ से प्रभावित होते हैं, जिससे जनजीवन और संपत्ति को भारी नुकसान उठाना पड़ता है। इसी को ध्यान में रखते हुए आयोजित मॉक ड्रिल में ग्रामीणों को बाढ़ जैसी आपदा के दौरान अपनाई जाने वाली सावधानियों और बचाव के उपायों की जानकारी दी गई ।रेस्क्यू टीम ने प्रदर्शन के माध्यम से बताया कि किसी व्यक्ति के नदी में डूबने या बाढ़ के पानी में फंसने की स्थिति में उसे सुरक्षित बाहर कैसे निकाला जाए। साथ ही राहत एवं बचाव कार्यों में प्रशासन का सहयोग करने तथा संकट के समय घबराने के बजाय सूझबूझ और सतर्कता से कार्य करने के लिए प्रेरित किया गया। अधिकारियों ने ग्रामीणों को आपदा प्रबंधन से जुड़े महत्वपूर्ण निर्देशों की जानकारी देते हुए कहा कि किसी भी आपात स्थिति में तत्काल प्रशासन को सूचना दें, ताकि समय रहते राहत एवं बचाव कार्य शुरू किए जा सकें। मॉक ड्रिल के दौरान तहसीलदार नानपारा शैलेश अवस्थी, खंड विकास अधिकारी, खंड शिक्षा अधिकारी राम तिलक वर्मा, चिकित्साधीक्षक डॉ. सी.बी. राम, ग्राम प्रधान कमला प्रसाद वर्मा, हर्षित यज्ञसैनी, सीमा सुरक्षा बल (BSF) के जवान तथा राजस्व विभाग की टीम मौजूद रही। कार्यक्रम के अंत में अधिकारियों ने ग्रामीणों से आपदा प्रबंधन के प्रति जागरूक रहने और प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की एवं आपदा के समय हर संभव मदद का आश्वासन दिया।

एस एस बी की सतर्कता से मानव तस्करी का प्रयास विफल

नाबालिक बालिका को बचाया

अमन लेखनी समाचार

मोहम्मद कौसर

रुपईडीहा, बहराइच। गिरीश चन्द्र पाण्डेय, कमांडेंट, 42वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, बहराइच के कुशल नेतृत्व एवं प्रभावी मार्गदर्शन में वाहिनी के कार्मिकों ने मानव तस्करी की आशंका वाले एक मामले का सफलतापूर्वक खुलासा करते हुए एक नाबालिग नेपाली बालिका को सुरक्षित बचाया है। दिनांक 10 जून 2026 को सायं लगभग 06:20 बजे रूपैडिहा चेक पोस्ट पर नियमित जांच एवं मानव तस्करी निरोधक ड्यूटी के दौरान नेपाल से भारत आने का प्रयास कर रहे एक नेपाली युवक एवं एक नाबालिग नेपाली बालिका को संदिग्ध परिस्थितियों में रोका गया। प्रारंभिक पूछताछ में युवक ने स्वयं को बालिका का चाचा बताया, जबकि सत्यापन के दौरान उपलब्ध कराए गए संपर्क सूत्रों एवं बयानों में कई विरोधाभास पाए गए। संदेह होने पर दोनों को आगे की जांच एवं पूछताछ हेतु कंपनी ऑपरेटिंग बेस लाया गया, जहां एएचटीयू तथा देहात एनजीओ के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में काउंसलिंग एवं सत्यापन की प्रक्रिया अपनाई गई। विस्तृत पूछताछ के दौरान यह तथ्य सामने आया कि युवक बालिका का चाचा नहीं, बल्कि उसका साथी था तथा उसे प्रेम, विवाह एवं रोजगार का प्रलोभन देकर भारत लाने का प्रयास कर रहा था ।काउंसलिंग के दौरान बालिका ने अपना वास्तविक नाम रमिता नेपाली, निवासी जिला जाजरकोट, नेपाल तथा अपनी आयु लगभग 14 वर्ष बताई। नाबालिग होने, पहचान संबंधी तथ्यों में विसंगति एवं मानव तस्करी की आशंका को दृष्टिगत रखते हुए 42वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल द्वारा त्वरित कार्रवाई की गई। समस्त आवश्यक कागजी कार्रवाई एवं काउंसलिंग पूर्ण होने के उपरांत बालिका को उसकी सुरक्षा एवं पुनर्वास सुनिश्चित करने हेतु एएचटीयू एवं नेपाल पुलिस की उपस्थिति में नेपाल के ₹शांतिपूर्ण स्थापना गृह₹ को सुपुर्द किया गया, जबकि संदिग्ध युवक को आगे की कानूनी कार्रवाई हेतु नेपाल पुलिस के हवाले कर दिया गया।

42वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, बहराइच भारत-नेपाल सीमा पर मानव तस्करी, अवैध गतिविधियों एवं सीमा पार अपराधों की रोकथाम के लिए निरंतर सतर्क एवं प्रतिबद्ध है तथा सीमावर्ती क्षेत्रों में नागरिकों की सुरक्षा एवं संरक्षण सुनिश्चित करने हेतु सदैव तत्पर है।

बाघ के हमले से भैंस की मृत्यु, ग्रामीणों को किया गया सतर्क

अमन लेखनी समाचार

मोहम्मद कौसर

रुपईडीहा, बहराइच। गिरीश चन्द्र पाण्डेय, कमांडेंट, 42वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, बहराइच के निर्देशन में सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा एवं जन-जागरूकता संबंधी गतिविधियां निरंतर संचालित की जा रही हैं। इसी क्रम में दिनांक 11.06.2026 को समय लगभग 12:20 बजे सीमा चौकी शिवपुरा के कार्यक्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंडितपुरवा से लगभग 02 किलोमीटर दूर चकिया जंगल क्षेत्र में बाघ द्वारा एक भैंस पर हमला किए जाने की सूचना प्राप्त हुई। प्राप्त जानकारी के अनुसार बाघ के हमले के दौरान भैंस के चीखने की आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण घटनास्थल की ओर पहुंचे, किंतु तब तक भैंस की मृत्यु हो चुकी थी। बाघ द्वारा भैंस के पिछले हिस्से को खा लिया गया था तथा भैंस का शेष आधा शरीर घटनास्थल पर पाया गया। उक्त भैंस श्री राजित राम यादव, पुत्र श्री राम लखन यादव, निवासी ग्राम पंडितपुरवा, पोस्ट एवं थाना रूपैडिहा, जनपद बहराइच (उत्तर प्रदेश) की बताई गई है। घटना की सूचना प्राप्त होते ही समवाय मुख्यालय शिवपुरा से गश्ती दल तत्काल घटनास्थल पर पहुंचा तथा ग्रामीणों को बाघ की संभावित गतिविधियों के प्रति सतर्क रहने, जंगल क्षेत्र में अकेले न जाने तथा पशुओं की सुरक्षा के लिए आवश्यक सावधानियां बरतने के संबंध में जागरूक किया। घटना के पश्चात क्षेत्र में दहशत का माहौल व्याप्त है। सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम भी मौके पर पहुंच गई तथा आवश्यक जांच एवं अग्रिम कार्रवाई प्रारंभ कर दी गई है। 42वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, बहराइच द्वारा समवाय एवं संबंधित सीमा चौकियों को क्षेत्र में बाघ की गतिविधियों पर सतत निगरानी रखने तथा किसी भी आपात स्थिति में तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक निर्देश जारी किए गए हैं। 42वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा के साथ-साथ स्थानीय नागरिकों की सहायता एवं जागरूकता के लिए भी सदैव प्रतिबद्ध है।

केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर बहराइच सांसद डॉ. आनंद गौड़ ने प्रबुद्धजनों एवं कार्यकताओं को किया सम्मानित

अमन लेखनी समाचार

रूपईडीहा बहराइच। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने तथा उनके कार्यकाल के अवसर पर बहराइच के सांसद डॉ. आनंद गौड़ ने क्षेत्र के प्रबुद्धजनों एवं कार्यकताओं को सम्मानित कर विकसित भारत के संकल्प को मजबूत करने का संदेश दिया ।रूपईडीहा में हुए कार्यक्रम में सांसद डॉ. आनंद गौड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सेवा, सुशासन और संकल्प का प्रतीक बनी भाजपा सरकार ने पिछले 12 वर्षों में देश के विकास की मजबूत नींव रखी है। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम केवल सम्मान तक सीमित नहीं है, बल्कि जनसंपर्क बढ़ाने तथा केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आम जनता तक पहुंचाने का भी एक प्रभावी माध्यम है। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में कृपाराम वर्मा, आदर्श नगर पंचायत रूपईडीहा के अध्यक्ष डॉ0 उमाशंकर वैश्य,प्रमुख नवाबगंज जे.पी. सिंह, कोतवाल रूपईडीहा रमेश सिंह रावत सहित कई गणमान्य एवं प्रबुद्धजन मौजूद रहे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सफल एवं ऐतिहासिक कार्यकाल के उपलक्ष्य में समाजसेवी अरविंद शुक्ला को अंगवस्त्र एवं केंद्र तथा प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से संबंधित साहित्य भेंट कर सम्मानित किया गया। इस दौरान वक्ताओं ने विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए समाज के विभिन्न वर्गों के सहयोग और सहभागिता पर बल दिया।

बाबागंज में मोहर्रम कों लेकर पीस कमेटी बैठक

पारम्परिक मार्ग से ही मोहर्रम निकलेगा जुलूस

अमन लेखनी समाचार

बाबागंज, बहराइच ।मोहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से गुरूवार को बाबागंज पुलिस चौकी पर पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। चौकी इंचार्ज बाबागंज शिवेश शुक्ला ने बैठक की अध्यक्षता करते हुए बताया कि शासन द्वारा निर्धारित ताजिया की लम्बाई 10 फुट व डीजे की आवाज 45 डेसीबल रखनें की अनुमति व निर्देश दिए गए है जिसका हम सभी कों पालन करना है एवं स्पष्ट निर्देश दिए कि मोहर्रम जुलूस पूर्व निर्धारित और पारंपरिक मार्ग से ही निकाला जाएगा।

वही मुख्यअतिथि क्षेत्राधिकारी नानपारा पहुप सिंह नें कहा कि जुलूस के दौरान किसी भी प्रकार की नई परंपरा को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

बैठक में क्षेत्र के विभिन्न समुदायों के गणमान्य नागरिकों ने भाग लिया। उन्होंने मोहर्रम जुलूस के दौरान आने वाली संभावित समस्याओं से अवगत कराने की अपील की। सीओ ने आश्वासन दिया कि यदि जुलूस मार्ग में सड़क, बिजली के तार या अन्य कोई बाधा है, तो उसकी जानकारी तत्काल जानकारी दी जाए ताकि समय रहते समाधान किया जा सके। तत्पश्चात कोतवाल रमेश सिंह रावत नें बताया कि सोशल मीडिया निगरानी, भड़काऊ पोस्ट, अफवाहों या आपत्तिजनक सामग्री शेयर करने वालों पर पुलिस की सख्त नजर रहेगी ।बैठक में आरक्षी धनु प्रसाद, सत्यम सोनी, अर्जुन प्रसाद मौर्या सहित प्रधान सुजौली इरशाद अली, सलारपुर प्रधान सफी अहमद, बनकुरी प्रधान अफाक अहमद सिद्दीकी सहित दोनों धर्मो के प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।

संक्षेप

बड़ौत में सफाई कर्मचारियों का ईपीएफ लंबित

नामित सभासद ने जिलाधिकारी से की शिकायत, कार्रवाई की मांग

बागपत ,नगर पालिका परिषद बड़ौत में सफाई कर्मचारियों के ईपीएफ भुगतान का मामला फिर से चर्चा में आ गया है। नगर पालिका के नामित सभासद विकास चंचल ने इस संबंध में जिलाधिकारी बागपत को शिकायत पत्र सौंपा है, जिसमें उन्होंने मामले में हस्तक्षेप की मांग की है।शिकायत पत्र में आरोप लगाया गया है कि बड़ौत नगर पालिका में आउटसोर्सिंग के तहत कार्यरत सफाई कर्मचारियों का दिसंबर 2022 से 2024 तक का ईपीएफ भुगतान लंबित है। आरोप है कि कर्मचारियों को उनके वैधानिक अधिकारों से वंचित रखा गया है, जबकि इस संबंध में लगातार मांग की जा रही थी।सभासद विकास चंचल के अनुसार, नगर पालिका अधिकारियों ने इस मामले में अपेक्षित कार्रवाई नहीं की है। उन्होंने आरोप लगाया कि संबंधित ठेका कंपनी के प्रतिनिधियों को बुलाकर समाधान करने के बजाय केवल आश्वासन दिए गए।कर्मचारियों को बकाया ईपीएफ जल्द जमा कराने का भरोसा दिलाया गया था, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है।शिकायतकर्ता ने जिलाधिकारी से मांग की है कि संबंधित ठेकेदार और कंपनी के जिम्मेदार अधिकारियों को बुलाकर मामले की गहन जांच कराई जाए। उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने की मांग की है कि सफाई कर्मचारियों के लंबित ईपीएफ का भुगतान शीघ्र अति शीघ्र कराया जाए।यह मामला अब जिला प्रशासन के संज्ञान में आ गया है। कर्मचारियों को उम्मीद है कि उनकी इस वर्षों पुरानी मांग पर जल्द ही सकारात्मक कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल, सभी की निगाहें जिला प्रशासन के अगले कदम पर टिकी हुई हैं।

एसपी ने बिनोली में सुरक्षा व्यवस्था जांची

पुलिसकर्मियों को दिए आवश्यक निर्देश, लापरवाही पर कार्रवाई की चेतावनी

बागपत , पुलिस प्रशासन सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पूरी तरह अलर्ट है। इसी क्रम में, पुलिस अधीक्षक (एसपी) सूरज राय ने देर रात बिनोली क्षेत्र का दौरा कर सुरक्षा इंतजामों का जायजा लिया। एसपी ने ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों से बातचीत की और उन्हें आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और दोषी पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।इस दौरान, एसपी ने अपराधियों की धरपकड़ के लिए लगातार चेकिंग अभियान चलाने, लंबित मामलों का तुरंत निस्तारण करने और सीमा चौकियों पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए। उन्होंने मुख्य बाजारों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात करने और सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से नजर रखने को भी कहा। एसपी सूरज राय ने बाजार में व्यापारियों से भी बातचीत की। उन्होंने अतिक्रमण न करने, अपनी दुकानों के बाहर सीसीटीवी कैमरे लगवाने और सुरक्षा व्यवस्था में सहयोग करने की अपील की। असामाजिक तत्वों को चेतावनी देते हुए उन्होंने कहा कि यदि किसी ने भी माहौल खराब करने का प्रयास किया तो उसके खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। एसपी ने बताया कि जनपद में शांति व्यवस्था कायम है और निरंतर चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि पुलिस किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है।

पूर्व प्रधान के बेटे की हत्या

बाइक सवार 3 बदमाशों ने मारी गोली, घर से 50 मीटर दूर बाग में बैठा था

अमन लेखनी समाचार

प्रयागराज ,पूर्व प्रधान के 19 साल के बेटे की गोली मारकर हत्या कर दी गई।युवक घर के पीछे बाग में बैठा था। तभी बाइक सवार 3 बदमाशों ने उसे गोल मार दी। गोली लगते ही युवक जमीन पर लहूलुहान होकर गिर पड़ा। घरवाले उसे अस्पताल लेकर गए। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।पुलिस ने मामले में नैनी के एक पूर्व प्रधान को हिरासत में लिया है।घटना औद्योगिक थाना क्षेत्र की है विस्तार से पढ़िए पूरा मामला बाइक से आए तीन लोगों ने मारी गोली गोती गांव निवासी पूर्व प्रधान विनोद कुमार सिंह का बेटा कुश कुमार सिंह

कुश कुमार, मृतक

(19) गुरुवार दोपहर घर से 50 मीटर दूर बाग में बैठा था।इसी दौरान अपाचे बाइक से तीन लोग उसके पास पहुंचे। आरोपियों ने कुश कुमार को गोली मार दी।गोली लगते ही कुश कुमार जमीन पर गिर पड़ा और हमलावर मौके से फरार हो गए।गोली चलने की आवाज सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे तो कुश कुमार खून से लथपथ पड़ा मिला। घटना की सूचना मिलते ही औद्योगिक थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायल कुश को तत्काल स्वरूप रानी नेहरू चिकित्सालय भेजा। जहां उपचार के दौरान डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। कुश की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया।पूर्व प्रधान हिरासत में पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं मामले की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस ने पूछताछ के लिए नैनी के एक पूर्व प्रधान को हिरासत में लिया है।उससे पूछताछ की जा रही है।गांव वालों ने बताया कि विनोद कुमार सिंह जब सपा में थे, तब प्रधानी का चुनाव जीता था। अब वह पूर्व प्रधान हैं और भाजपा में हैं।

आशुतोष महाराज बोले- मेरे पास डिजिटल साक्ष्य

अविमुक्तेश्वरानंद के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने की साजिश का पदार्फाश किया

अमन लेखनी समाचार

प्रयागराज ,आशुतोष ब्रह्मचारी महाराज के कथित व्हाट्सएप चैट, कॉल रिकॉर्ड और अन्य डिजिटल साक्ष्यों को लेकर नया विवाद खड़ा हो गया है। उन्होंने इन दस्तावेजों के आधार पर कई गंभीर प्रश्न उठाते हुए मामले की निष्पक्ष एवं स्वतंत्र जांच कराने की मांग की है। आशुतोष ब्रह्मचारी महाराज का दावा है कि उपलब्ध चैट में रामभद्राचार्य के उत्तराधिकारी रामचंद्र दास उर्फ जय मिश्रा और अन्य व्यक्तियों के बीच हुई बातचीत में शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती और उनके शिष्य मुकुंदानंद के खिलाफ पोक्सो एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कराने की चर्चा है। कथित चैट में शिकायतकर्ता को थाना स्तर पर तहरीर देने की सलाह दिए जाने और आगे वरिष्ठ अधिकारियों से

संपर्क कराने का आश्वासन दिए जाने का भी जिक्र है। अब पढ़िए चैट में क्या खुलासा किया गया है आशुतोष ब्रह्मचारी महाराज द्वारा सार्वजनिक किए गए कथित व्हाट्सएप चैट और कॉल रिकॉर्ड्स के डिजिटल सुबूतों का हवाला देते हुए एक बड़े और गहरे षड्यंत्र का आरोप लगाया गया है। जारीकर्ता के अनुसार, इस पूरे खेल के पीछे एक ऐसा सिंडिकेट सक्रिय है जो संतों को तबाह करने और आश्रमों पर अवैध कब्जा करने की फिराक में है। विज्ञप्ति में आशुतोष ब्रह्मचारी महाराज के हवाले से दावा किया गया है कि रामचंद्र दास उर्फ जय मिश्रा नामक व्यक्ति द्वारा शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती और उनके शिष्य मुकुंदानंद के खिलाफ पोक्सो एक्ट जैसी बेहद संवेदनशील और संगीन धाराओं में मुकदमा दर्ज कराने का कथित तौर पर प्रयास किया जा रहा था।

संपर्क से समर्थन:बारह साल बेमिसाल

12 साल बेमिसाल सेवा, सुशासन और संकल्प का प्रतीक

अमन लेखनी समाचार

बाबागंज, बहराइच।मोदी सरकार के सफलतम,ऐतिहासिक एवं जनसेवा कों समर्पित बारह साल पूरा होने पर सांसद आनंद गोंड ने कार्यक्रम बारह साल बेमिसाल - विकसित भारत का मजबूत आधार के तहत विशेष जन संपर्क अभियान चलाया। इसके तहत अपने संसदीय क्षेत्र रूपईडीहा व नानपारा मंडल के प्रमुख लोगों से मिले। इसी क्रम में सांसद श्री गोंड नें पूर्व जिला पंचायत सदस्य व प्रधान फौजदार वर्मा के राम नगर (बसंतपुर उदल) घर पर दोपहर का भोजन भी किया।मिली जानकारी के मुताबिक अरविन्द शुक्ला,रामचंद्र अग्रवाल,रामसिंह कलवारी, डॉ सुरेश गुप्ता बाबागंज, उमेश अग्रवाल विधानसभा नानपारा के रूपईडीहा मंडल क्षेत्र के प्रबुद्धजनो के सम्मान एवं जनसपर्क कर अंगवस्त्र एवं केंद्र तथा प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओ से सम्बंधित पत्रक भेंट कर सम्मानित किया गया।इस दौरान उपस्थित प्रबुद्धजनों एवं नागरिकों को केंद्रीय एवं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित विभिन्न लोक कल्याणकारी योजनाओ गरीब कल्याण, किसानहित, महिला सशक्तिकरण, युवा उत्थान एवं राष्ट्र निर्माण से जुड़े महत्वपूर्ण कार्यों की विस्तृत जानकारी प्रदान की।कार्यक्रम में भाजपा महामंत्री रणविजय सिंह,मानवेन्द्र प्रताप सिंह, बलवंत सिंह, प्रधान अतुल सिंह,चेयरमैन डॉ उमा शंकर वैश्य,महाराजदीन वर्मा, अरुण सोनकर,संजय वर्मा,रतन अग्रवाल सहित मंडल पदाधिकारी कार्यकर्ता एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

अवैध कॉलोनी पर मेडा का बुलडोजर

वेंकटेश्वरा यूनिवर्सिटी के पीछे निर्माण ध्वस्त किया गया

अमन लेखनी समाचार

मेरठ , विकास प्राधिकरण (मेडा) ने कंकरखेड़ा थाना क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई की। वेंकटेश्वरा यूनिवर्सिटी के पीछे विकसित की जा रही एक अवैध कॉलोनी पर मेडा का बुलडोजर चला।प्राधिकरण की टीम ने मौके पर पहुंचकर बिना स्वीकृति की जा रही प्लॉटिंग, सड़कों और अन्य निर्माण कार्यों को ध्वस्त कर दिया।इस दौरान किसी भी विरोध को रोकने के लिए भारी पुलिस बल भी तैनात रहा। मेडा अधिकारियों के अनुसार, यह कॉलोनी कृषि भूमि पर बिना ले-आउट स्वीकृति और आवश्यक अनुमति के विकसित की जा रही थी।प्राधिकरण ने संबंधित कॉलोनाइजर को पूर्व में नोटिस जारी कर निर्माण कार्य रोकने के निर्देश दिए थे। इन निर्देशों की अनदेखी के बाद ही ध्वस्तीकरण की यह कार्रवाई की गई। सुबह से ही जेसीबी और बुलडोजर के साथ पहुंची टीम ने अवैध रूप से बनाई गई सड़कों, बाउंड्रीवाल और प्लॉटों के निशानों को ध्वस्त कर दिया।इस कार्रवाई को देखने के लिए आसपास

के लोगों की भीड़ जमा हो गई।कुछ स्थानीय लोगों ने प्राधिकरण की इस कार्रवाई का समर्थन करते हुए कहा कि अवैध कॉलोनियों के कारण खरीदारों को भविष्य में कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है।मेडा अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि बिना स्वीकृति विकसित की जा रही कॉलोनियां नियमों के विपरीत हैं। प्राधिकरण ऐसे मामलों में लगातार अभियान चला रहा है। उन्होंने आम जनता से अपील की है कि किसी भी भूखंड या संपत्ति की खरीदारी से पहले संबंधित प्राधिकरण से उसकी वैधता की जांच अवश्य कर लें, ताकि संभावित आर्थिक नुकसान से बचा जा सके।अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि जिले में जहां भी अवैध प्लॉटिंग और निर्माण कार्य पाए जाएंगे, उनके खिलाफ इसी प्रकार की सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। गौरतलब है कि हाल के दिनों में प्रदेश के विभिन्न विकास प्राधिकरणों द्वारा अवैध कॉलोनियों पर लगातार ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की जा रही है।मेडा की इस कार्रवाई से अवैध कॉलोनी विकसित करने वालों में हड़कंप मच गया है।क्षेत्र में अवैध निर्माण के खिलाफ यह अभियान आगे भी जारी रहने की संभावना है।

वजीरगंज चौकी पर मोहर्रम को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित

अमन लेखनी समाचार

कैसरगंज, बहराइच। थाना पखरपुर क्षेत्र के अंतर्गत चौकी वजीरगंज परिसर में आगामी मोहर्रम पर्व को सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के उद्देश्य से शांति समिति की बैठक आयोजित की गई।बैठक में क्षेत्र के ताजियादार, संभ्रांत नागरिक एवं ग्राम प्रधान सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।बैठक को संबोधित करते हुए पुलिस क्षेत्राधिकारी कैसरगंज डीके श्रीवास्तव ने ताजियादारों को सख्त दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि शासन एवं प्रशासन द्वारा जारी गाइडलाइन के अनुसार ही ताजिया का निर्माण किया जाए। उन्होंने कहा कि ताजिया की ऊंचाई निर्धारित मानकों के अनुरूप रहे तथा विद्युत तारों एवं यातायात व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए उचित स्थान पर ताजिया रखने की व्यवस्था की जाए।उन्होंने सभी लोगों से अपील करते हुए कहा कि मोहर्रम का पर्व आपसी भाईचारे, सौहार्द एवं शांति व्यवस्था के साथ मनाएं। किसी भी प्रकार की नई परंपरा शुरू न की जाए तथा सोशल मीडिया पर भ्रामक या आपत्तिजनक पोस्ट साझा करने से बचें।प्रशासन द्वारा जारी नियमों का

पालन करना सभी की जिम्मेदारी है। बैठक के दौरान पुलिस अधिकारियों ने मोहर्रम जुलूस मार्ग, सुरक्षा व्यवस्था, साफ-सफाई एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को लेकर भी विस्तार से जानकारी दी। उपस्थित लोगों ने प्रशासन को पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया तथा शांतिपूर्ण माहौल में पर्व संपन्न कराने की बात कही।

दूसरे दिन 11 हजार अभ्यर्थी यूपीपी परीक्षा देंगे

पहले दिन 32% परीक्षार्थियों ने पेपर छोड़ी, कंट्रोल रूम से हो रही निगरानी

अमन लेखनी समाचार

गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश पुलिस सिपाही भर्ती परीक्षा के दूसरे दिन जिले के 25 परीक्षा केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच परीक्षा आयोजित की गई। परीक्षा को निष्पक्ष, पारदर्शी और नकलविहीन बनाने के लिए सभी केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की जा रही है। पहली पाली के लिए अभ्यर्थियों की एंट्री सुबह 9:30 बजे तक कराई गई। भर्ती परीक्षा दो पालियों में आयोजित की जा रही है। पहली पाली सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक और दूसरी पाली दोपहर 3 बजे से शाम 5 बजे तक होगी। जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मांदड़ ने बताया कि गाजियाबाद में 25 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जहां करीब 11 हजार अभ्यर्थियों को परीक्षा में शामिल होना है।सुबह डीएम ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी लगातार केंद्रों की निगरानी कर रहे हैं।सोमवार को 32 प्रतिशत अभ्यर्थियों ने छोड़ी आयोजित परीक्षा

में 11,064 पंजीकृत अभ्यर्थियों में से 7,513 ने परीक्षा दी, जबकि 3,551 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। इस तरह केवल 67.90 प्रतिशत अभ्यर्थी ही परीक्षा में शामिल हुएकंट्रोल रूम से रखी जा रही निगरानी जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मांदड़ और पुलिस कमिश्नर जे. रविंदर गौड़ ने कंट्रोल रूम से सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से सभी परीक्षा केंद्रों की गतिविधियों पर नजर रखी। वहीं पुलिस कमिश्नर ने विभिन्न केंद्रों का दौरा कर सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने बताया कि परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की अनियमितता रोकने के लिए लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है। सुरक्षा व्यवस्थाओं की हुई समीक्षापरीक्षा से पहले सुरक्षा तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई थी। बैठक में मेरठ मंडल के जोनल ऑब्जर्वर आर.के. चतुर्वेदी, जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मांदड़ और एडिशनल पुलिस कमिश्नर केशव कुमार चौधरी समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

युवती बोली-हीरोइन बनाने का सपना दिखाकर 11 साल किया रेप

2015 में मुंबई ले गया, शादी का झांसा दिया, तीन बार गर्भपात भी कराया

अमन लेखनी समाचार

मेरठ , सरधना थाना क्षेत्र की युवती ने एक युवक और उसके परिवार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। युवती का कहना है कि शादी का झांसा देकर 11 वर्षों तक उसका शारीरिक, मानसिक और आर्थिक शोषण किया गया। पीड़िता ने एसएसपी को शिकायत पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई है।पीड़िता के अनुसार, वर्ष 2015 में दिल्ली में मॉडलिंग के दौरान उसकी मुलाकात सरधना निवासी वसील से हुई थी।दोनों मॉडलिंग के क्षेत्र में काम करते थे। युवती का आरोप है कि वसील ने उसे हीरोइन और मॉडलिंग में बड़ा नाम दिलाने का सपना दिखाया।इसके बाद वह उसे अपने प्रभाव में लेकर मुंबई ले गया, जहां दोनों ने एक साथ रहकर मॉडलिंग का काम शुरू किया।युवती

का आरोप है कि वसील ने शादी का वादा कर उसके साथ संबंध बनाए और लगातार विवाह का भरोसा दिलाता रहा। पीड़िता के अनुसार, इस दौरान वह गर्भवती भी हुई, लेकिन आरोपी ने तीन बार उसका गर्भपात करा दिया। युवती ने यह भी बताया कि उसने अपनी वर्षों की कमाई वसील और उसके परिवार पर खर्च की, जिससे उसे आर्थिक नुकसान हुआ।

आरोपी पर दूसरी महिला से शादी का आरोप

महिला का आरोप है कि हाल ही में उसे पता चला कि वसील ने उसे बताए बिना दूसरी मुस्लिम युवती से शादी कर ली है।जब उसने इसका विरोध किया, तो आरोपी और उसके परिजनों ने उसके साथ मारपीट की, गाली-गलौज की और उसे घर से निकाल दिया। पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया कि उस पर धर्म परिवर्तन का दबाव बनाया गया और विवाह के लिए मुस्लिम धर्म अपनाने को कहा गया।

खुद को बताया 'लव जिहाद' का शिकार

शिकायत में युवती ने खुद को 'लव जिहाद' का शिकार बताते हुए आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।उसने दोहराया कि वर्षों तक शादी का झांसा देकर उसका शारीरिक, मानसिक और आर्थिक शोषण किया गया।फिलहाल, पीड़िता की शिकायत एसएसपी कार्यालय पहुंच गई है।पुलिस अधिकारियों का कहना है कि शिकायत में लगाए गए आरोपों की जांच की जा रही है।

जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

राघव रिसॉर्ट स्विमिंग में नहाते समय युवक की पानी में डूबने से मौत

अमन लेखनी समाचार

बीघापुर उन्नाव सदर कोतवाली क्षेत्र में स्विमिंग वाटर में नहाते समय पानी में डूबने से युवक की मौत हो गई मौत की सूचना मिलते ही परिजनो में कोहराम मच गया मृतक अपने मां बाप का इकलौता पुत्र था थाना बिहार क्षेत्र के ग्राम तकिया पाटन निवासी मोहम्मद कैफ 20 वर्ष पुत्र मोहम्मद शमी बृहस्पतिवार को दोपहर के आसपास घर से एक कार्यक्रम में कह कर निकला था जो सदर कोतवाली क्षेत्र के राघव रिसॉर्ट ललऊ खेड़ा उन्नाव स्थित वाटर पार्क में अपने साथियों सहित नहाने लगा नहाते समय युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में पानी में डूबने से मौत हो गई जैसे ही फोन द्वारा सूचना घर में पहुंची घर में कोहराम मच गया सैकड़ो की संख्या में लोग इकट्ठा होने लगे वहीं दर्जनों व्यक्ति राघव रिजॉर्ट पहुंचे जहां पर युवक मोहम्मद कैफ मृत अवस्था में मिले पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लिया कानूनी कार्रवाई करते हुए घर वालों के कहने पर शव को उनके घर वालों को सौंप दिया मृतक युवक दो बहनों में इकलौता भाई था जिसमें एक बहन की शादी हो चुकी वही मृतक अविवाहित था मृतक कस्बा पाटन में फर्नीचर का कारोबार काम करता था घटना की खबर सुनते ही सैकड़ो की संख्या में लोग घर के बाहर इकट्ठा हो गए

किसान एकता संघ का प्रदर्शन

बिजली समस्याओं को लेकर एसडीओ को ज्ञापन सौंपा, 30 जून तक का अल्टीमेटम दिया

अमन लेखनी समाचार

जेवर , ग्रेटर नोएडा के दनकौर क्षेत्र में किसान एकता संघ ने बिजली संबंधी समस्याओं को लेकर प्रदर्शन किया।संगठन के पदाधिकारियों ने दनकौर विद्युत उपकेंद्र पहुंचकर एसडीओ को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने बिजली विभाग को समस्याओं के समाधान के लिए 30 जून तक का समय दिया है। मांगें पूरी न होने पर बिजलीघर पर विशाल पंचायत आयोजित करने की चेतावनी दी गई है।जिलाध्यक्ष पप्पे नागर और राष्ट्रीय प्रवक्ता उम्मेद एडवोकेट के नेतृत्व में किसान एसडीओ अजय कुमार गुप्ता से मिले।ज्ञापन में कई प्रमुख समस्याओं का उल्लेख किया गया। इनमें शहर के उपभोक्ताओं को भेजे जा रहे गलत और बढ़े हुए बिजली बिल, गांवों में जर्जर विद्युत लाइनें, नए कनेक्शन के लिए औसत शुल्क के नाम पर अधिक वसूली और बिजली चोरी के झूठे मुकदमे दर्ज करना शामिल हैं। किसान नेताओं ने बताया कि इन समस्याओं से ग्रामीण और शहरी उपभोक्ता लंबे समय से परेशान हैं।बार-बार शिकायत के बावजूद समाधान

नहीं हुआ है।उन्होंने सभी शिकायतों की निष्पक्ष जांच कर उपभोक्ताओं को राहत देने की मांग की। संगठन के पदाधिकारियों ने चेतावनी दी कि यदि 30 जून तक समस्याओं का समाधान नहीं हुआ, तो दनकौर बिजलीघर पर किसान एकता संघ एक विशाल पंचायत आयोजित करेगा। उन्होंने कहा कि किसी भी अप्रिय स्थिति के लिए प्रशासन और बिजली विभाग जिम्मेदार होंगे।

5,903 करोड़ की जमीन कब्जा मुक्त

1 साल तक चला अभियान, प्राधिकरण की 13.25 लाख वर्ग गज जमीन भी थी

अमन लेखनी समाचार

नोएडा,गौतमबुद्धनगर में पुलिस कमिश्नरेट ने साल 2025 और 2026 के दौरान प्राधिकरण और सरकारी जमीनों पर हुए अवैध कब्जों के खिलाफ बड़े स्तर पर अभियान चलाया है। इस कार्रवाई के तहत अब तक 13.25 लाख वर्ग गज से अधिक जमीन को अतिक्रमण से मुक्त कराया गया है। अधिकारियों के अनुसार, कब्जामुक्त कराई गई भूमि की अनुमानित कीमत करीब 5,903.95 करोड़ रुपये है।पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह के निर्देशन में नोएडा, सेंट्रल नोएडा और ग्रेटर नोएडा जोन में भू-माफियाओं और अतिक्रमणकारियों के

खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। पुलिस की सक्रिय मदद से प्राधिकरण की बहुमूल्य जमीनों को अवैध कब्जों से मुक्त कराकर दोबारा संबंधित विभागों को सौंपा गया है, ताकि वहां विकास कार्य कराए जा सकें।

नोएडा जोन में 58 करोड़ की जमीन कराई मुक्त

नोएडा जोन में अभियान के दौरान 15 हजार वर्ग गज भूमि को कब्जामुक्त कराया गया।अधिकारियों के अनुसार, इस जमीन की अनुमानित कीमत करीब 58 करोड़ रुपये है। सेंट्रल नोएडा जोन में सबसे अधिक कार्रवाई की गई।यहां 8 लाख 89 हजार 127 वर्ग गज भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया गया।

साइबर ठगी का शिकार हुए ग्रामीण को बीजपुर पुलिस ने दिलाई राहत, खाते में लौटे 2000 रुपये

अमन लेखनी समाचार

बीजपुर (सोनभद्र)। बीजपुर पुलिस की साइबर टीम ने तत्परता दिखाते हुए ऑनलाइन ठगी के शिकार एक ग्रामीण की रकम वापस कराकर सराहनीय कार्य किया है। पुलिस की प्रभावी कार्रवाई से पीड़ित के खाते में 2000 रुपये वापस जमा हो गए। जानकारी के अनुसार, थाना क्षेत्र के ग्राम नेमना निवासी जियानन्द पुत्र दशरथ किसी साइबर ठगी का शिकार हो गए थे। अज्ञात व्यक्ति द्वारा उनके खाते से 2000 रुपये की धोखाधड़ी कर ली गई थी। घटना के बाद उन्होंने राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर संचालित साइबर अपराध नियंत्रण अभियान के तहत क्षेत्राधिकारी दुद्धी के मार्गदर्शन एवं थानाध्यक्ष राजेश कुमार सिंह के नेतृत्व में बीजपुर थाना की साइबर टीम ने मामले की जांच शुरू की। शिकायत की जांच के दौरान टीम ने एनसीआरपी पोर्टल के माध्यम से ठगी गई धनराशि को तत्काल होल्ड कराया तथा आवश्यक साक्ष्य जुटाकर एमआरएम पोर्टल के जरिए संबंधित बैंक को रिफंड का अनुरोध भेजा। पुलिस की त्वरित कार्रवाई का परिणाम यह रहा कि 9 जून को पीड़ित के बैंक खाते में पूरी 2000 रुपये की धनराशि वापस प्राप्त हो गई। रकम वापस मिलने पर जियानन्द ने बीजपुर पुलिस और साइबर टीम के प्रति आभार व्यक्त किया। इस कार्रवाई में थानाध्यक्ष राजेश कुमार सिंह, उपनिरीक्षक कमलाकान्त पाण्डेय, साइबर हेल्प डेस्क के कांस्टेबल सरोज अमितकुमार श्रीकृष्ण तथा महिला कांस्टेबल निहारिका पाण्डेय की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि यदि वे किसी भी प्रकार की साइबर ठगी का शिकार होते हैं तो बिना देरी किए हेल्पलाइन नंबर 1930 पर सूचना दें अथवा शिकायत दर्ज कराएं, जिससे समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

बभनी पुलिस द्वारा दहेज हत्या के मुकदमे मे वांछित 2 अभियुक्त गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन में वांछित एवं वारंटी अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक ऋषभ रुणवाल के पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी दुद्धी राजेश कुमार राय के कुशल निर्देशन में प्रभारी निरीक्षक बभनी दिन्नू प्रसाद यादव के नेतृत्व में थाना बभनी पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। थाना बभनी पुलिस द्वारा मु0अ0सं0-112/2026, धारा 80(2), 85 बीएनएस एवं 3/4 दहेज प्रतिषेध अधिनियम से सम्बन्धित 02 वांछित अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। मुखबिर की सूचना पर दिनांक 10.06.2026 को समय करीब 07:40 बजे थाना बभनी पुलिस टीम द्वारा कारीडाड़ आश्रम मोड़ के पास से 02 वांछित अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों को आवश्यक विधिक कार्यवाही पूर्ण कर माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

क्षेत्रीय कार्यकारी निदेशक (उत्तर) एवं सीईओ एनएसपीसीएल दिवाकर कौशिक का एनटीपीसी रिहंद दौरा

अमन लेखनी समाचार

बीजपुर (सोनभद्र)।एनटीपीसी रिहंद ,श्री दिवाकर कौशिक, क्षेत्रीय कार्यकारी निदेशक (उत्तर) एवं सीईओ एनएसपीसीएल ने एनटीपीसी रिहंद परियोजना का दौरा किया। परियोजना परिसर में पहुँचने पर श्री संजय असाटी, कार्यकारी निदेशक एवं परियोजना प्रमुख (रिहंद) ने उनका गर्मजोशी से स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस अवसर पर श्री दिवाकर कौशिक के साथ उत्तरा क्लब की अध्यक्षा श्रीमती सीमा कौशिक भी पधारीं। अपने व्यस्त दौरे की शुरूआत में श्री दिवाकर कौशिक ने सबसे पहले 'बालिका सशक्तीकरण अभियान-2026' की कार्यशाला में प्रतिभाग कर रहीं ग्रामीण बालिकाओं से मुलाकात की और उनसे आत्मीय संवाद किया। इस दौरान वे बालिकाओं के जन्मदिन समारोह में भी शामिल हुए और उन्हें उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। इसके पश्चात, उन्होंने प्रशासनिक भवन में एसएमसी सदस्यों के साथ बैठक कर प्लांट के प्रदर्शन की गहन समीक्षा की तथा साथ ही, उन्होंने यूनियन और एसोसिएशन के प्रतिनिधियों के साथ भी सकारात्मक संवाद स्थापित किया। संयंत्र क्षेत्र के भ्रमण के दौरान श्री कौशिक ने फ्लू गैस डिसल्फराइजेशन का दौरा कर वहाँ चल रही गतिविधियों की प्रगति की समीक्षा की। इस क्रम में उन्होंने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में एफजीडी स्टेज-1 और 3 के लाइम स्टोन एवं जिप्सम हैंडलिंग सिस्टम के विद्युत भवन का उद्घाटन भी किया। इसके बाद उन्होंने निमार्णाधीन 20 मेगावाट सौर ऊर्जा प्लांट का दौरा कर विकास कार्यों का जायजा लिया और इनटेक चैनल का भी निरीक्षण किया। शाम को मुख्य अतिथि श्री दिवाकर कौशिक के सम्मान में तरंग प्रेक्षागृह में एक भव्य 'सांस्कृतिक संध्या' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक दीप प्रज्ज्वलन एवं एनटीपीसी गीत के साथ हुआ। परियोजना प्रमुख श्री संजय असाटी ने अपने स्वागत उद्बोधन में मुख्य अतिथि एवं अन्य गणमान्य जनों का आभार व्यक्त करते हुए रिहंद परियोजना की गतिविधियों और उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। सांस्कृतिक संध्या में टाउनशिप के विभिन्न विद्यालयों, बाल भवन, ईडबल्यूए तथा महिला क्लब वेलफेयर विंग के बच्चों ने अपनी मनमोहक और सशक्त प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। अपने संबोधन में श्री दिवाकर कौशिक ने रिहंद दौरे को अत्यंत अविस्मरणीय बताते हुए यहाँ की कार्यशैली की भूरी-भूरी सराहना की। उन्होंने गर्व से कहा कि रिहंद परियोजना उत्तरी क्षेत्र मुख्यालय का एक गौरवशाली स्तम्भ है, जिसने समय-समय पर अपनी कार्यकुशलता, तकनीकी श्रेष्ठता और अटूट प्रतिबद्धता को साबित किया है। कार्यक्रम के अंत में मुख्य अतिथि ने सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लेने वाले सभी मेधावी प्रतिभागियों को स्मृति चिह्न प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया।

खास समाचार

पुलिस भर्ती परीक्षा को सकुशल, निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने हेतु जिलाधिकारी गौरव सिंह सोगरवाल एवं पुलिस अधीक्षक महराजगंज शक्ति मोहन अवस्थी द्वारा परीक्षा केंद्रों का किया गया संयुक्त निरीक्षण

अमन लेखनी समाचार

महराजगंज। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा आरक्षी नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती-2025 के लिए आयोजित लिखित परीक्षा के तीसरे दिन बुधवार को पहली पाली में जनपद के 13 परीक्षा केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। परीक्षा के तीसरे दिन की प्रथम पाली में 5760 अभ्यर्थियों में से 4445 अभ्यर्थी परीक्षा में उपस्थित रहे जबकि 1315 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। परीक्षा को सकुशल, निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा। जनपद के जिलाधिकारी गौरव सिंह सोगरवाल व पुलिस अधीक्षक शक्ति मोहन अवस्थी ने स्वयं विभिन्न परीक्षा केंद्रों का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लेते रहे और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश देते रहे। परीक्षा केंद्रों पर प्रवेश से पहले अभ्यर्थियों की सघन जांच और फ्रिस्किंग की व्यवस्था की गई थी। सीसीटीवी निगरानी के साथ प्रत्येक केंद्र पर केंद्र प्रभारी पुलिस अधिकारी तैनात रहे। साथ ही सेक्टर मजिस्ट्रेट और पुलिस अधिकारियों की संयुक्त निगरानी में परीक्षा प्रक्रिया को सुरक्षित और पारदर्शी बनाए रखा गया।

मोदी सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर ब्लॉक प्रमुख आनन्द शंकर वर्मा ने जरूरतमंदों को वितरित की मच्छरदानिया

अमन लेखनी समाचार

महराजगंज जनपद के नगर पंचायत परतावल के वार्ड संख्या-14 महात्मा गांधी नगर स्थित में बुधवार को मोदी सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में ब्लॉक प्रमुख आनंद शंकर वर्मा के नेतृत्व में जरूरतमंद परिवारों के बीच मच्छरदानियों का वितरण किया गया। कार्यक्रम में लगभग 50 जरूरतमंद लोगों को मच्छरदानियां प्रदान की गईं तथा उन्हें संचारी रोगों से बचाव के प्रति जागरूक भी किया गया। इस अवसर पर ब्लॉक प्रमुख आनंद शंकर वर्मा ने कहा कि केंद्र सरकार ह्लसबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वासह्व के सिद्धांत पर कार्य कर रही है। सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ बिना किसी भेदभाव के पात्र और जरूरतमंद लोगों तक पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में बीते 12 वर्षों में देश ने विकास, जनसेवा और गरीब कल्याण के क्षेत्र में नई उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने लोगों से स्वच्छता बनाए रखने, घरों के आसपास जलभराव न होने देने तथा बरसात के मौसम में मच्छरों से होने वाली बीमारियों से बचाव के लिए आवश्यक सावधानियां बरतने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान लाभार्थियों ने इस पहल की सराहना करते हुए जनहित में किए जा रहे कार्यों की प्रशंसा की। कार्यक्रम में गुलाब सिंह, शिवेंद्र सिंह,सुजीत सिंह, दीपक पाण्डेय, प्रदीप मोदनवाल, राकेश गुप्ता सहित क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे

मिशन शक्ति 5.0 के दूसरे चरण के अंतर्गत महिला सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्तिकरण की ओर सशक्त पहल

महिला सुरक्षा, सशक्तिकरण एवं साइबर अपराधों के प्रति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित।

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सोनभद्र पुलिस द्वारा मिशन शक्ति 5.0 के दूसरे चरण के अंतर्गत जनपद में व्यापक एवं प्रभावी जनजागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के कुशल निर्देशन में जनपद के समस्त थाना क्षेत्रों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर समाज के सभी वर्गों को जागरूक किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत महिलाओं एवं बच्चों से संबंधित प्रमुख सामाजिक विषयों–जैसे लिंगानुपात, लैंगिक समानता, बाल विवाह, लैंगिक शोषण, महिलाओं एवं बच्चों के प्रति होने वाली हिंसा, साक्षरता एवं स्वास्थ्य–पर विशेष रूप से प्रकाश डालते हुए जनमानस को जागरूक किया गया। इस क्रम में जनपद के समस्त थानों की मिशन शक्ति टीमों द्वारा विद्यालयों, महाविद्यालयों, कोचिंग संस्थानों, बाजारों एवं ग्राम सभाओं में संवाद कार्यक्रम आयोजित कर महिलाओं एवं बालिकाओं को गुड टच-बैड टच, आत्मरक्षा के उपाय, महिला उत्पीड़न से संबंधित विधिक अधिकारों, तथा विभिन्न हेल्पलाइन सेवाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। साथ ही साइबर अपराधों के बढ़ते खतरे को दृष्टिगत रखते हुए ऑनलाइन फ्रॉड, फर्जी कॉल/लिंक, सोशल मीडिया के दुरुपयोग, बैंकिंग धोखाधड़ी एवं डळढ साझा न करने के संबंध में विशेष जागरूकता उत्पन्न की गई।

महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबर

112- आपातकालीन सेवा

1090 / 1091- महिला सुरक्षा हेल्पलाइन

181- महिला हेल्पलाइन

1930- साइबर अपराध हेल्पलाइन

1076- मुख्यमंत्री हेल्पलाइन

भजन संध्या सुनने व रासलीला देखने को उमड़ रही भीड़

- –वृंदावन से आई बाल कथा वाचिका धानी शास्त्री ने भागवत कथा का रसपान कराया।
- –विराट रुद्र महायज्ञ के छठवें दिन शिव मंदिर में किया गया रुद्राभिषेक पूजन।
- प्रकृति रक्षा के लिए 251 जड़ी बूटियों से निर्मित हवन सामग्री से दी जा रही आहुति।
- –प्रतिदिन चलने वाले विशाल भंडारा में श्रद्धालुओं ने किया प्रसाद ग्रहण।
- –कसारी रामगढ़ स्थित भिखारी बाबा आश्रम परिसर में चल रहा है आयोजन।

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। कसारी रामगढ़ स्थित भिखारी बाबा आश्रम परिसर में बुधवार को छठवें दिन विराट रुद्र महायज्ञ में पूजन अर्चन कराया गया। इसके साथ ही शिव मंदिर में दूध से रुद्राभिषेक पूजन भी कराया गया। वृंदावन से आई बाल कथा वाचिका धानी शास्त्री ने भागवत कथा का रसपान कराया। वहीं भजन संध्या में वाराणसी से आए राष्ट्रीय बाल कलाकार श्री राम कृष्ण, श्री राधा कृष्ण व श्री राधे कृष्ण ने एक से बढ़कर एक भजन, गीत व गजल सुनाया। वहीं वृंदावन से आए कलाकारों की रासलीला देखने को भारी संख्या में भीड़ उमड़ पड़ी। प्रकृति रक्षा के लिए 251 जड़ी बूटियों से निर्मित हवन सामग्री से आहुति दी गई। प्रतिदिन चलने वाले विशाल भंडारा में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम के आयोजक भिक्षुक भिखारी जंगली दास दीनबंधु रमाशंकर गिरी जी महाराज ने बताया कि अयोध्या के महंत कमल नयन दास जी महाराज 12 जून को यज्ञ स्थल पर आएंगे और 13 जून को पूणार्हुति के बाद जिन कन्याओं की शादी होगी उन कन्याओं को आशीर्वाद देकर जाएंगे। आचार्यगण गोपालधर द्विवेदी, राजेश कुमार पाठक, हरिओम द्विवेदी व अमरेश तिवारी द्वारा विराट रूद्र महायज्ञ एवं पूजन कार्य कराया जा रहा है। रॉबर्ट्सगंज से आए मुख्य यजमान संजय अग्रवाल उर्फ श्याम जी अग्रवाल व चांदनी अग्रवाल के साथ ही अन्य लोगों को दूध से रुद्राभिषेक पूजन कराया गया। प्रकृति रक्षा के लिए 251 जड़ी बूटियों से निर्मित हवन सामग्री से प्रतिदिन आहुति दी जा रही है। भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने यज्ञ मंडप की परिक्रमा की और जयकारे लगाए। इस दौरान समूचा यज्ञ स्थल जयकारे से गुंजायमान हो गया। प्रतिदिन चलने वाले विशाल भंडारा में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

खरीफ अभियान, उर्वरक उपलब्धता एवं सहकारी समितियों की समीक्षा बैठक सम्पन्न

किसानों को पर्याप्त खाद–बीज उपलब्ध कराने तथा कालाबाजारी पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश

पारदर्शिता, जवाबदेही एवं समयबद्ध लक्ष्य पूर्ति पर जिलाधिकारी का विशेष जोर।

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। 10 जून 2026। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ की अध्यक्षता में दिनांक 09 जून 2026 को कृषि एवं सहकारिता विभाग की योजनाओं एवं कार्यों की प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला कृषि अधिकारी, सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक सहकारिता, जिला प्रबंधक पीसीएफ, इफको प्रतिनिधि सहित संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में खरीफ अभियान 2026 के अंतर्गत उर्वरक, बीज एवं अन्य कृषि निवेशों की उपलब्धता तथा वितरण व्यवस्था की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि किसानों को उनकी आवश्यकता के अनुसार समय पर पर्याप्त मात्रा में खाद एवं बीज उपलब्ध कराया जाए तथा वितरण व्यवस्था में किसी भी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि उर्वरकों की जमाखोरी, कालाबाजारी, अवैध भंडारण, टैगिंग, डायवर्जन अथवा निर्धारित मूल्य से अधिक दर पर बिक्री की शिकायत मिलने पर संबंधित विक्रेताओं के विरुद्ध उर्वरक नियंत्रण आदेश-1985 एवं आवश्यक वस्तु अधिनियम-1955 के तहत कठोर कार्रवाई की जाएगी समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने संभावित एलनीनो प्रभाव के कारण वर्षा में अनियमितता की आशंका व्यक्त करते हुए किसानों से कम पानी वाली फसलों एवं दलहनी फसलों को अपनाने का आह्वान किया।

सीधी भर्ती लिखित परीक्षा को सकुशल, निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से सम्पन्न कराने हेतु जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा विभिन्न परीक्षा केन्द्रों का किया गया निरीक्षण

परीक्षा की सुरक्षा, निगरानी एवं कानून–व्यवस्था संबंधी व्यवस्थाओं का जायजा लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए।

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र।उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड, लखनऊ द्वारा आयोजित आरक्षी नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती-2026 की लिखित परीक्षा जनपद सोनभद्र में सकुशल, निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से सम्पन्न कराए जाने हेतु पुलिस एवं प्रशासन द्वारा समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। जनपद के कुल 06 परीक्षा केन्द्रों पर यह परीक्षा दिनांक 08.06.2026 से दो पालियों में आयोजित की जा रही है। आज दिनांक 10.06.2026 को परीक्षा के अंतिम दिवस पर जिलाधिकारी चर्चित गौड़ एवं पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा द्वारा विभिन्न परीक्षा केन्द्रों का स्थलीय निरीक्षण कर सुरक्षा एवं अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान अभ्यर्थियों की प्रवेश व्यवस्था, चेकिंग एवं फ्रिस्किंग, सीसीटीवी निगरानी, प्रश्नपत्र एवं गोपनीय सामग्री की सुरक्षा, यातायात प्रबंधन, कंट्रोल रूम संचालन तथा कानून-व्यवस्था संबंधी तैयारियों का गहन अवलोकन किया गया। इस दौरान संबंधित अधिकारियों, केन्द्र व्यवस्थापकों एवं केन्द्र प्रभारी पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि परीक्षा को पूर्णतः नकलविहीन, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराया जाए। सभी अधिकारी आपसी समन्वय स्थापित करते हुए अपने दायित्वों का निर्वहन पूर्ण सतर्कता, पारदर्शिता एवं जिम्मेदारी के साथ सुनिश्चित करें। साथ ही निर्देश दिए गए कि परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि, अव्यवस्था अथवा सुरक्षा संबंधी चुनौती की स्थिति में तत्काल प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित की जाए तथा परीक्षा केन्द्रों पर सुरक्षा एवं अनुशासन बनाए रखा जाए। अभ्यर्थियों की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती, सतत निगरानी एवं सुचारु यातायात व्यवस्था बनाए रखने के भी निर्देश दिए गए, जिससे परीक्षा शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित रूप से सम्पन्न हो सके।

खरीफ अभियान-2026: 1482.75 मीट्रिक टन यूरिया आवंटित, किसानों को समय से खाद उपलब्ध कराने के निर्देश, कालाबाजारी पर होगी सख्त कार्रवाई

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र।जनपद के समस्त किसान बंधुओं को सूचित किया जाता है कि खरीफ अभियान-2026 में यूरिया उर्वरक की बढ़ती मांग को दृष्टिगत रखते हुए जिला स्तरीय उर्वरक निगरानी समिति की संस्तुति के उपरांत जनपद सोनभद्र की 63 बी-पैक्स, 10 अन्य सहकारी समितियों तथा इफको की 13 फ्रेंचाइजी केंद्रों हेतु कुल 1482.750 मीट्रिक टन यूरिया उर्वरक के आवंटन को जिलाधिकारी चर्चित गौड़ द्वारा स्वीकृति प्रदान की गई है। आवंटन के सापेक्ष पीसीएफ द्वारा संबंधित सहकारी समितियों एवं उर्वरक बिक्री केंद्रों पर उर्वरक प्रेषण की कार्यवाही की जा रही है जिलाधिकारी चर्चित गौड़ की अध्यक्षता में कृषि एवं सहकारिता विभाग के अधिकारियों के साथ आयोजित बैठक में उर्वरक वितरण व्यवस्था की समीक्षा की गई। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि किसानों को निर्धारित मूल्य पर पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध कराया जाए तथा वितरण व्यवस्था की प्रतिदिन निगरानी कर प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। उन्होंने कहा कि शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता किसानों को कृषि कार्यों के दौरान किसी प्रकार की समस्या से बचाना है। खरीफ फसल की रोपाई के समय उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु सभी आवश्यक तैयारियां समय से पूरी कर ली जाएं तथा किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर संबंधित दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाए। कृषक बंधुओं से अपील की जाती है कि वे अपने निकटतम सहकारी समिति अथवा उर्वरक केंद्र से संपर्क कर उर्वरकों की उपलब्धता की जानकारी प्राप्त करें तथा निर्धारित मूल्य पर ही उर्वरक क्रय करें।

तहसीलदार से एसडीएम बने 20 अधिकारियों को विशेष प्रशिक्षण, तीन दिनों के लिए गोरखपुर में कराया गया सत्र

1 मई से लखनऊ में चल रहा है मुख्य प्रशिक्षण, 12 जून तक जारी रहेगा; डीएम से शिष्टाचार भेंट के बाद एडीएम सिटी के नेतृत्व में हुआ प्रशिक्षण

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर। प्रशासनिक दक्षता को और मजबूत करने के उद्देश्य से तहसीलदार पद से पदोन्नत होकर उप जिलाधिकारी (एसडीएम) बने अधिकारियों के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसी क्रम में 20 नवपदोन्नत उप जिलाधिकारियों को तीन दिनों के विशेष मॉड्यूल के तहत 8 से 10 जून तक गोरखपुर भेजा गया, जहां एडीएम सिटी गजेंद्र कुमार के नेतृत्व में उन्हें व्यावहारिक और क्षेत्रीय प्रशासन से जुड़ी बारीकियों का प्रशिक्षण दिया गया। जानकारी के अनुसार, ये सभी अधिकारी 1 मई से लखनऊ में आयोजित मुख्य प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग ले रहे हैं, जो 12 जून तक चलेगा। इसी प्रशिक्षण के अंतर्गत फील्ड एक्सपोजर और व्यवहारिक समझ विकसित करने के उद्देश्य से इन्हें अलग-अलग जनपदों में अल्पकालिक प्रशिक्षण के लिए भेजा गया, जिसके तहत गोरखपुर में तीन दिवसीय सत्र आयोजित हुआ। गोरखपुर पहुंचने पर सभी उप जिलाधिकारियों ने जिलाधिकारी दीपक मीणा से शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान डीएम ने सभी अधिकारियों का स्वागत करते हुए उन्हें स्मृति चिन्ह सप्रेम भेंट किया और नई जिम्मेदारियों के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि एसडीएम प्रशासन की एक अहम कड़ी होते हैं और उनकी कार्यशैली का सीधा प्रभाव आम जनता पर पड़ता है। ऐसे में निष्पक्षता, पारदर्शिता और संवेदनशीलता के साथ कार्य करना अत्यंत आवश्यक है। तीन दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान एडीएम सिटी गजेंद्र कुमार ने अधिकारियों को राजस्व प्रशासन, कानून-व्यवस्था, जनसुनवाई, आपदा प्रबंधन, अतिक्रमण हटाने की प्रक्रिया, भूमि विवादों के निस्तारण और शासन की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने फील्ड में आने वाली वास्तविक चुनौतियों और उनके समाधान के व्यावहारिक तरीके भी साझा किए। प्रशिक्षण में केस स्टडी और उदाहरणों के माध्यम से अधिकारियों को यह समझाया गया कि किस प्रकार संवेदनशील मामलों में त्वरित और न्यायसंगत निर्णय लिया जाए। साथ ही डिजिटल प्रशासन, ऑनलाइन पोर्टल्स के उपयोग और समयबद्ध निस्तारण की प्रक्रिया पर भी जोर दिया गया, ताकि शासन की मंशा के अनुरूप पारदर्शी व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके। गौरतलब है कि इनमें से कई अधिकारी पहले से ही पदोन्नत होकर उप जिलाधिकारी के रूप में विभिन्न स्थानों पर कार्य कर रहे थे। ऐसे में यह प्रशिक्षण उनके अनुभव को और परिष्कृत करने तथा प्रशासनिक कार्यों में एकरूपता लाने के उद्देश्य से बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। प्रशिक्षण के दौरान अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया गया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में जाकर जनता से सीधे संवाद स्थापित करें, उनकी समस्याओं को प्राथमिकता से सुनें और त्वरित समाधान सुनिश्चित करें। एडीएम सिटी गजेंद्र कुमार ने कहा कि प्रशासन की सफलता का पैमाना जनता की संतुष्टि है, इसलिए हर अधिकारी को जवाबदेह और सक्रिय रहना होगा।

अमन लेखनी
(हिन्दी दैनिक)

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती अखिलेश सिंह द्वारा अवध एक्सप्रेस प्रकाशन, 434, सिविल लाइन, जेल रोड, उन्नाव, उत्तर प्रदेश से मुद्रित और ग्राम व पोस्ट- बनी, थाना- बन्थरा, लखनऊ- 226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।

सम्पादक– श्रीमती अखिलेश सिंह

समाचार सम्पादक – रुद्र प्रताप सिंह

समाचार से संबंधित सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र लखनऊ होगा।

मो. – 9838159555, 9935457982

E-mail address amanlekhaninews@gmail.com

तनु वेड्स मनु 3 की शुरू होने वाली है शूटिंग ...

मुंबई। फिल्म फ्रेंचाइजी 'तनु वेड्स मनु' का तीसरा भाग 'तनु वेड्स मनु : द नेक्स्ट चैप्टर' की शूटिंग इसी साल शुरू होने जा रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इसी साल कंगना रनौत स्टारर हिट फ्रेंचाइजी फिल्म फ्लोर पर आ जाएगी। इस मोस्ट अवेटेड फिल्म की घोषणा इरोज इनोवेशन द्वारा हाल ही में जारी की गई नई कंटेंट लिस्ट के दौरान की गई। फिल्म का निर्देशन मिताक्षरा कुमार करेंगी, जो इससे पहले 'हीरामंडी' और 'द एम्पायर' जैसे चर्चित प्रोजेक्ट्स में अपने काम के लिए जानी जाती हैं। इस फिल्म का निर्माण रुद्रक सोमा ज्योति लिमिटेड के सहयोग से किया जाएगा।

लाइफ Style

मदालसा

15 साल लीप के कारण छोड़ा शो

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

स्टार प्लस के टॉप सीरियल अनुपमा में अनुपमा की सौतन काव्या का किरदार निभाने वाली एक्ट्रेस मदालसा चक्रवर्ती ने अपने फिल्मी कॅरियर के साथ-साथ शो छोड़ने का कारण बताया। अनुपमा शो छोड़ते वक्त मुझे बिल्कुल भी डर नहीं लग , क्योंकि हम लाइफ में आगे बढ़ते हैं और 4 साल काम करना एक लंबा समय होता है।

शो 15 साल का लीप ले रहा था, इसलिए प्रोड्यूसर राजन शाही और मैंने फैसला लिया था कि मैं यह शो नहीं करूंगी। क्योंकि, 15 साल में आपका फेस बहुत बदल जाता है। मुझे स्क्रीन पर 15 साल ज्यादा ओल्डर नहीं दिखना था। यह तो एक गर्व की बात है कि आप ऐसे शो का हिस्सा रही हैं जो दर्शकों को बहुत पसंद आया है। एक्ट्रेस ने आगे कहा कि मेरे पिता एक जाने माने डायरेक्टर- प्रोड्यूसर हैं। मेरी मां भी एक जाने मानी एक्ट्रेस रही हैं। मैं फिल्मी बैकग्राउंड से बिलॉन्ग करती हूं तो ऐसी कोई नई बात नहीं थी कि मैं एक अलग फील्ड से आई हूं। मेरे ससुर मिथुन चक्रवर्ती जी, मेरी सास सभी लोग फिल्म इंडस्ट्री से हैं। मुझे नहीं लगता कि मैं कोई अलग इंडस्ट्री में हूं। आपको आपकी मेहनत से ही काम मिलता है, मुझे जो भी काम मिला है, मेरी मेहनत से मिला है। मैं इसी तरीके से आगे काम करना चाहूंगी। अगर आपको लंबी रेस का घोड़ा बनना है तो आपको अपना टैलेंट दिखाना पड़ेगा। मदालसा चक्रवर्ती (शर्मा) फिल्म के साथ-साथ टेलीविजन एक्ट्रेस हैं, उन्होंने सीरियल अनुपमा में वनराज शाह की दूसरी पत्नी और अनुपमा की सौतन काव्या शाह का किरदार निभाकर हर घर में अपनी खास जगह बनाई।

हॉलीवुड मसाला

डेनेरेस की मौत पर भड़की थीं एमिलिया

नई दिल्ली। फैंटेसी सीरीज 'गेम ऑफ थ्रोन्स' के कई किरदार आज भी लोगों के बीच लोकप्रिय हैं। इनमें डेनेरेस तारगारयेन का नाम सबसे ऊपर आता है, जिसे ब्रिटिश अभिनेत्री एमिलिया क्लार्क ने निभाया था। हालांकि, सीरीज के आखिरी सीजन में डेनेरेस के साथ जो हुआ, उसने सिर्फ दर्शकों को ही नहीं, बल्कि खुद एमिलिया क्लार्क को भी हैरान कर दिया था। अब अभिनेत्री ने उस पल को याद करते हुए खुलासा किया है कि जब उन्हें अपने किरदार के अंत के बारे में पता चला तो वह बेहद गुस्से में थीं।

द रॉक ने पूरे किए 30 साल जेल पर आधारित है कहानी

नई दिल्ली। आज से ठीक 30 साल पहले, 7 जून 1996 को माइकल बे की फिल्म द रॉक रिलीज हुई थी। शॉन कॉनरी, निकोलस केज और एड हैरिस की तिकड़ी की यह एक्शन थ्रिलर आज भी एक्शन प्रेमियों की पहली पसंद है। बेशक फिल्म को तीन दशक हो चुके हैं, लेकिन आज भी इसकी गिनती टॉप एक्शन फिल्मों में होती है। द रॉक की कामयाबी को इस बात से ही समझा जा सकता है कि 75 मिलियन डॉलर (आज के हिसाब से 712 करोड़ रुपए)) के बजट में बनी फिल्म ने दुनियाभर के बॉक्स ऑफिस पर 335 मिलियन डॉलर (आज के हिसाब से 3184 करोड़ रुपए) से ज्यादा कमाए। 'द रॉक" की कहानी अलकाट्राज जेल पर आधारित है। ब्रिगेडियर जनरल फ्रांसिस हम्मेल (एड हैरिस) अपने मारे गए सैनिकों के परिवारों के लिए न्याय मांगते हुए अलकाट्राज पर कब्जा कर लेता है।

लॉक अप सीजन-2 का प्रोमो जारी...

नई दिल्ली। नेटफ्लिक्स ने अपने चर्चित रियलिटी शो 'लॉक अपः सच या सजा' का पहला वीडियो जारी कर दिया है। इस छोटे से वीडियो ने आते ही दर्शकों के बीच उत्सुकता बढ़ा दी है। वीडियो में फिल्म निर्माता और कोरियोग्राफर फराह खान और अभिनेता रितेश देशमुख जेल के अंदर नजर आ रहे हैं। हालांकि, शो के बारे में अभी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन इस झलक ने लोगों के मन में कई सवाल जरूर खड़े कर दिए हैं। इंस्टाग्राम पर जारी किए गए वीडियो में फराह खान और रितेश देशमुख को कैदियों की तरह दिखाया गया है। क्लिप में फराह खान को कैदी संख्या 06 और रितेश देशमुख को कैदी संख्या 27 के रूप में दिखाया गया है। दोनों जेल की कोठरियों में कैद हैं। जेल का माहौल रहस्य और तनाव से भरा है।

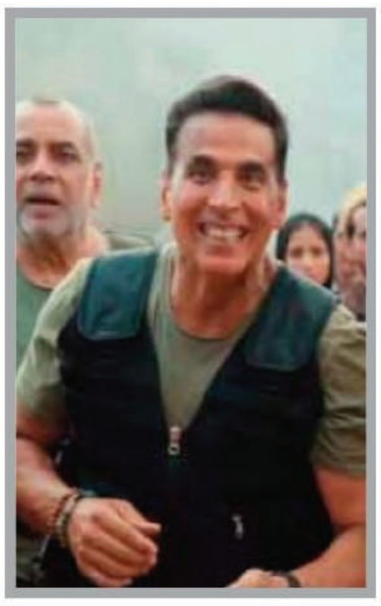

वेलकम टू द जंगल में हंसी का धमाल

मुंबई। कॉमेडी और एक्शन वाली 'वेलकम' फ्रेंचाइजी की फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' का ट्रेलर 11 जून को रिलीज हो चुका है। फिल्म रिलीज से 15 दिन पहले आए इस ट्रेलर ने आते ही तहलका मचा दिया है जिसमें एक्शन, कॉमेडी, रोमांस, ड्रामा और सस्पेंस सब कुछ ठूंस-ठूंस कर भरा दिख रहा है। जैसी उम्मीद थी कि 'वेलकम' सीरीज की ये फिल्म हंसी और रोमांच का डबल डोज देने वाली है, ट्रेलर इसपर पूरी तरह से फिट नजर आ रहा है। कहीं-कहीं ट्रेलर की झलकियां देख अक्षय कुमार और सुनील शेट्टी के बीच 'हेरा फेरी' वाली नोंकझोंक भी याद दिलाती नजर आ रही है। कि 'वेलकम टू द जंगल' इसी महीने के अंत में 26 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। वेलकम टू द जंगल' का ट्रेलर लांच के लिए वीआरएफ स्टूडियो की तरफ से भव्य इवेंट लॉन्च किया गया।

टीवी मसाला

सैराब में दिखाई जा रही प्रियंका-निक की लव स्टोरी?

नई दिल्ली। स्टार प्लस का नया शो सैराब इन दिनों चर्चा में है, जिसमें एक्ट्रेस मदिराक्षी मुंडले नजर आ रही हैं। कई लोग उन्हें सिया के राम में सीता के किरादर में जानते होंगे और पसंद करते होंगे। लेकिन, अब वह एक मां के रोल में सैराब सीरियल में नजर आ रही हैं, जिसकी कहानी एक पॉप स्टार और एक डॉक्टर की है। हालांकि, जब से शो का पहला प्रोमो आया तब से इसकी तुलना बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा और निक जोनस की लव स्टोरी से की गई। अबमदिराक्षी मुंडले ने कहा- वैसे तो मैं उनकी कहानी से कुछ विशेष परिचित नहीं हूं। यदि कोई समानताएं हैं तो मुझे लगता है कि ये एक संयोग हो सकता है। सैराब एक बहुत रोचक रोमांटिक लव स्टोरी है। नयनिका, जो मेरा किरदार है, और ईशान, जिसे रोहित कर रहे हैं, दो इतने अलग व्यक्तित्व हैं। बहुत समय बाद ऐसा कोई शो शायद आया है जिसे क्लासिकल लव स्टोरी कहा जा रहा है और दर्शकों की प्रतिक्रियाएं भी बहुत जोश भरी हैं। कई लोगों के जीवन में ऐसे योग आते हैं जिनसे उन्हें पर्सनल रूप से कष्ट और दुख होता है। संभव है ये लोग अपने जीवन में एक और मौके की चाह तो रखते हैं, लेकिन शायद खुले में ये बोल नहीं पाते क्योंकि परिस्थितियां कुछ इस प्रकार की होती हैं। ऐसे में कैसे नयनिका, जो एक डॉक्टर हैं, और ईशान, जो एक रॉकस्टार हैं, एक-दूसरे के निकट आते हैं, सैराब उसी की एक संगीतमय कहानी है।

गंगा माई की बेटियां सीरियल का बोलबाला

नई दिल्ली। टीआरपी लिस्ट में पिछले कुछ हफ्तों से बड़ा उलटफेर हो रहा है। क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2 और अनुपमा जैसे सीरियल्स को नए शोज टक्कर दे रहे हैं। 22वें हफ्ते की टीआरपी लिस्ट में 'गंगा माई की बेटियां' ने बाजी मारी है।

गंगा माई की बेटियां सीरियल में एक मां और उसकी बेटियों के संघर्ष को दिखाया गया है। इसको 22वें हफ्ते में 1.9 की टीआरपी रेटिंग मिली है, यह सीरियल पहले नंबर पर है। जबकि 21वें हफ्ते में इसको 1.8 की टीआरपी मिली थी। देखा जाए तो 22वें हफ्ते में इस सीरियल की टीआरपी में उछाल आया है। सीरियल वसुधा को 22वें हफ्ते में 1.9 की टीआरपी रेटिंग मिली है। यह सीरियल टीआरपी लिस्ट में दूसरे नंबर पर है। 21वें हफ्ते में भी इसकी टीआरपी इतनी ही थी। यह सीरियल भी एक साधारण लड़की के सपनों, संघर्ष और प्रेम की कहानी को दिखाता है। तीसरे नंबर पर सीरियल तुम से तुम तक है। इस सीरियल को 22वें हफ्ते में 1.8 की टीआरपी रेटिंग मिली है। 21वें हफ्ते में भी इसकी इतनी ही टीआरपी थी।

वीर दास होंगे बारह नंबर के निर्देशक स्टारकास्ट का किया ऐलान

मुंबई। एक्टर, कॉमेडियन और फिल्ममेकर वीर दास ने अपनी अगली डायरेक्टोरियल फिल्म 'बारह नंबर' का ऐलान किया है। इस फिल्म में शीबा चड्ढा, अरुणोदय सिंह, एहसास चन्ना और अतुल कुलकर्णी जैसे कलाकार होंगे। यह साइकोलॉजिकल हॉरर फिल्म है। दास ने इस साल की शुरुआत में स्पाई कॉमेडी फिल्म 'हैप्पी पटेलः खतरनाक जासूस' से बतौर डायरेक्टर डेब्यू किया था। 'बारह नंबर' के लिए वीर दास एक बार फिर 'हैप्पी पटेल' के को-डायरेक्टर कवि शास्त्री के साथ काम करेंगे। इस फिल्म से वह क्रिएटिव प्रोड्यूसर के तौर पर जुड़ेंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक दास भी फिल्म में बतौर एक्टर काम करेंगे। इसमें निहारिका लायरा दत्त, श्रिया पिलगांवकर, सुहैल नय्यर, पूजा स्वरूप और नवीन कौशिक भी शामिल हैं। वीर दास ने बताया 'इस प्रोजेक्ट की सबसे रोमांचक बात यह है कि इसमें ऐसे कलाकार साथ आए हैं, जिनकी मैं तारीफ करता हूं। शीबा, अतुल, अरुणोदय, श्रिया, एहसास, निहारिका, सुहैल और नवीन, हर कोई फिल्म में एक अलग ऊर्जा और असलियत लेकर आता है।' उन्होंने आगे कहा 'हॉरर फिल्म तब अच्छी लगती है जब दर्शकों को हर पल असली लगे और इस कलाकारों की टीम ने कहानी को उस स्तर से कहीं आगे पहुंचा दिया है, जो मैंने इसे लिखना शुरू करते समय सोचा था।' देली बेली, गो गोवा गॉन जैसी फिल्मों और कॉल मी बे जैसी सीरीज में काम करने के लिए मशहूर वीर दास, अपने बैनर जजू प्रोडक्शंस के जरिए 'बारह नंबर' को प्रोड्यूस करेंगे।

मौनी और जिमी का नया गाना पड़ोसन रिलीज, लिरिक्स पर जमकर बखेड़ा

मुंबई। डेविड धवन की कई स्टार्स वाली रोमांटिक कॉमेडी 'है जवानी तो इश्क होना है' बॉक्स ऑफिस पर अपने पहले अहम हफ्ते के दिनों में भी लोगों का ध्यान खींच रही है। वरुण धवन, मृणाल ठाकुर और पूजा हेगड़े स्टारर इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर ओपनिंग वीकेंड में शानदार 24 करोड़ रुपए की कमाई कर ली है, लेकिन ये अब सुस्त होती जा रही है। वहीं, फिल्म के गाने भी धीरे-धीरे रिलीज हो रहे हैं। फिल्म का नया गाना 'पड़ोसन' रिलीज हो गया है और मौनी रॉय इसमें डांस कर रही हैं। 'है जवानी तो इश्क होना है' का नया गाना 'पड़ोसन' रिलीज हो गया है। इसमें मौनी रॉय और जिम्मी शेरगिल दिखाई दे रहे हैं और दोनों जबरदस्त डांस भी कर रहे हैं। गाने के लिरिक्स कुछ ऐसे हैं कि 'पत्नी को खिचड़ी खिलाके सुलाने में, भैया जी, लेट कभी होने ना दें और फिर सवेरे तक अपनी पड़ोसन को सोने ना दें!' गाने के कमेंट सेक्शन में एक बार फिर अश्लीलता को लेकर बातें शुरू हो गई हैं। कमेंट सेक्शन में मौनी रॉय की तो खूब तारीफ हुई है, लेकिन लिरिक्स को लेकर भद भी पिट रही है। एक ने लिखा- इन लोगों की वजह से पड़ोसन भी सेफ नहीं है। एक ने कहा- इसके अलावा कुछ रह गया है कि नहीं। मौनी रॉय का तो कमेंट सेक्शन ऐसी ही बातों से भरा हुआ है। एक ने लिखा- बस यही सुनने को बाकी रह गया है। एक यूजर ने कहा- एक असली सवालः क्या एक्टर्स साइन करने से पहले गाने के बोल सुनते हैं, या रिलीज होने के बाद हम लोगों की तरह उन्हें भी पता चलता है? मतलब, सच में, तुम लोगों को क्या हो गया है? कुछ फैंस ने तो गुस्से में काफी कुछ बोल दिया और फिल्म इंडस्ट्री पर ही सवाल उठाया। एक ने लिखा- मौनी जिमी ते अच्छे हैं लेकिन ये गाना, कितना घटिया है। एक ने कहा- चीप गाना और उससे बकवास फिल्म। अनुभवी फिल्म निर्माता डेविड धवन की निर्देशित 'है जवानी तो इश्क होना है' में वरुण धवन, मृणाल ठाकुर और पूजा हेगड़े लीड रोल्स में हैं, जिसमें मनीष पॉल, चंकी पांडे, जिमी शेरगिल, मौनी रॉय और राजपाल यादव जैसे कई कलाकार शामिल हैं।

4 फिल्मों में चला एक ही गाना, 2 फिल्में हिट, तीसरी ने की बम्पर कमाई

49 साल से लोगों के दिलों पर राज कर रहा है ये गाना

नई दिल्ली। फिल्में आती हैं, जाती हैं और वक्त के साथ कई गाने भी लोगों की यादों से धुंधले पड़ जाते हैं। लेकिन, कुछ गाने ऐसे होते हैं जो हर दौर में खुद को फिर से साबित कर देते हैं। चाहे 70 का दशक हो, 90 का दौर हो या फिर आज का समय, उनका जादू कभी फीका नहीं पड़ता। बॉलीवुड का एक ऐसा ही गाना पिछले 49 साल से दर्शकों का मनोरंजन कर रहा है। दिलचस्प बात ये है कि इस गाने ने सिर्फ एक नहीं, बल्कि चार अलग-अलग फिल्मों में अपनी जगह बनाई। जहां-जहां ये गाना पहुंचा, वहां इसने दर्शकों का दिल जीत लिया। हम बात कर रहे हैं सदाबहार हिट गाने 'मुंगड़ा मुंगड़ा' की, जिसका क्रेज आज भी बरकरार है।

हेलन पर फिल्माया गया और बन गया सनसनी

'मुंगड़ा मुंगड़ा' पहली बार साल 1977 में रिलीज हुई फिल्म 'इंकार' में सुनाई दिया था। इस गाने को उषा मंगेशकर ने अपनी आवाज दी थी, जबकि इसे हेलन पर फिल्माया गया था। गाना रिलीज होते ही लोगों की जुबान पर चढ़ गया। इसके बोल, संगीत और हेलन के डांस ने ऐसा रंग जमाया कि देखते ही देखते ये उस दौर का सुपरहिट गाना बन गया।

फिल्म से ज्यादा गाने की हुई चर्चा

विनोद खन्ना और विद्या सिन्हा स्टारर 'इंकार' एक एक्शन-थ्रिलर फिल्म थी। फिल्म को दर्शकों का अच्छा रिस्पॉन्स मिला, लेकिन सबसे ज्यादा चर्चा 'मुंगड़ा मुंगड़ा' की हुई। आज भी जब पुराने सुपरहिट गानों की बात होती है तो इस गाने का नाम जरूर लिया जाता है। यही वजह है कि इसे बॉलीवुड के सबसे यादगार गानों में गिना जाता है।

दूसरी फिल्म में भी चला मुंगड़ा का जादू

साल 1984 में रिलीज हुई फिल्म 'अंदर बाहर' में भी 'मुंगड़ा मुंगड़ा' सुनाई दिया। फिल्म में अनिल कपूर, जैकी श्रॉफ, मुनमुन सेन और किम जैसे सितारे नजर आए थे। हालांकि, फिल्म बॉक्स ऑफिस पर औसत रही, लेकिन गाने की लोकप्रियता में कोई कमी नहीं आई। दर्शकों ने एक बार फिर इस गाने को खूब पसंद किया।

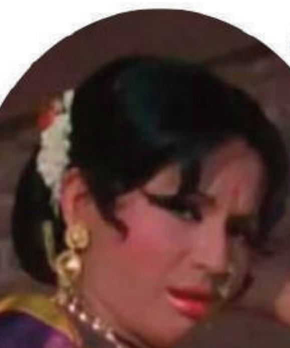

आज भी लोगों की प्लेलिस्ट में शामिल

बहुत कम गाने ऐसे होते हैं जो कई पीढ़ियों के बीच अपनी पहचान बनाए रखते हैं। 'मुंगड़ा मुंगड़ा' उन्हीं चुनिंदा गानों में शामिल है। चार फिल्मों का हिस्सा बन चुका ये गाना आज भी शादी-पार्टी और डांस फ्लोर की रौनक बना हुआ है। शायद यही वजह है कि 49 साल बाद भी इसका जादू पहले जैसा कायम है।

29 साल बाद फिर बड़े पर्दे पर लौटा

घायल के बाद इस गाने ने लंबा इंतजार करवाया, लेकिन साल 2019 में ये फिर नए अंदाज में लौट आया। फिल्म 'टोटल धमाल' में 'मुंगड़ा मुंगड़ा' को रीक्रिएट किया गया। इस बार गाना सोनाक्षी सिन्हा पर फिल्माया गया था। पुराने गाने का तड़का और नए दौर का अंदाज दर्शकों को खूब पसंद आया। फिल्म ने भी बॉक्स ऑफिस पर शानदार कमाई की और हिट साबित हुई।

सनी की सुपरहिट फिल्म तक पहुंचा गाना

इसके बाद साल 1990 में रिलीज हुई 'घायल' में भी 'मुंगड़ा मुंगड़ा' को शामिल किया गया। सनी देओल, मीनाक्षी शेषाद्रि और अमरीश पुरी स्टारर इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार कमाई की। करीब 2 करोड़ रुपए के बजट में बनी इस फिल्म ने 21 करोड़ रुपए का कारोबार किया। फिल्म ने कई बड़े अवॉर्ड भी जीते और उस साल की सबसे चर्चित फिल्मों में शामिल रही।